राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार, 19 जुलाई 2022 वर्ष–5,अंक–174 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नर्मदा में गिरी बस, 13 की मौत

एमपी में इंदौर के पास खलघाट में हादसा, ओवरटेक करते समय पुल से नीचे जा गिरी

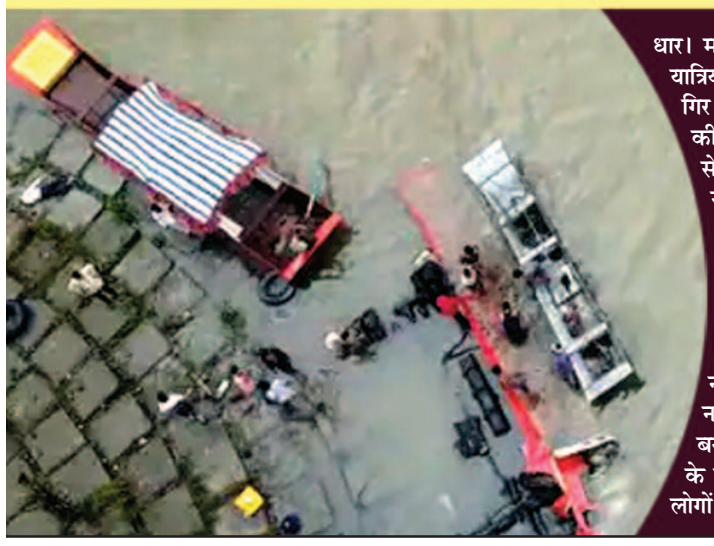

धार। मध्य प्रदेश के धार जिले में यात्रियों से भरी एक बस नदी में गिर गई है। हादसे में 13 यात्रियों की जान चली गई है। महाराष्ट्र से इंदौर आ रही बस जिले के खलघाट में अनियंत्रित होकर पुल से नदी में गिर गई। मध्य प्रदेश के गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने कहा है कि बस में करीब 13-14 लोग सवार थे और उनमें से कोई जीवित नहीं बचा। इससे पहले नरोत्तम मिश्रा ने बताया था कि बस हादसे में करीब 12 लोगों के निधन की खबर है और 15 लोगों को बचाया गया है। उन्होंने यह भी कहा था कि बस में 50-55 लोगों के सवार होने की सूचना है। इस स्थिति को स्पष्ट करते हुए उन्होंने बताया कि हादसे के फौरन बाद लोग नदी से भाग रहे थे, त्रुटिवश उन्हें बचा हुआ मान लिया गया था। ताजा जानकारी के अनुसार बस में 13 से 14 लोग सवार थे। उनमें से कोई जीवित नहीं बचा। उन्होंने बताया कि मृतकों में अब तक राजस्थान और महाराष्ट्र के कुछ लोगों की पहचान हुई है। शेष की पहचान की प्रक्रिया जारी है। हादसा आगरा-मुंबई (एबी रोड) हाईवे पर हुआ। यह रोड इंदौर से महाराष्ट्र को जोड़ता है। घटनास्थल इंदौर से 80 किलोमीटर दूर है। जिस संजय सेतु पुल से बस गिरी, वो

दो जिलो धार और खरगोन की सीमा पर बना है। आधा हिस्सा खलघाट (धार) और आधा हिस्सा खलटाका (खरगोन) में है। खरगोन से भी कलेक्टर और एसपी मौके पर पहुंचे। सुबह पौने दस बजे धामनोद में खलघाट के पास नर्मदा नदी में यात्रियों से भरी बस गिर पड़ी। बस इंदौर से पुणे जा रही थी। 13 शव निकाले जा चुके हैं, इनमें कुछ महिलाएं भी शामिल हैं। धामनोद के खलघाट में बस टू-लेन पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नर्मदा में गिरी। यह पुल पुराना बताया जा रहा है। बस महाराष्ट्र राज्य परिवहन की है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, "धार जिले के खलघाट में बस के नर्मदा नदी में गिरने से हुई दुर्घटना का दुखद समाचार प्राप्त हुआ। ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान और परिजनों को यह गहन दुःख सहन करने की शक्ति देने तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। दुर्घटना स्थल पर जिला प्रशासन की टीम मौजूद है। बस को निकाल लिया गया है। खरगोन, धार जिला प्रशासन के साथ मैं निरंतर संपर्क में हूं। घायलों के समुचित इलाज की व्यवस्था के निर्देश दिए हैं। दुःख की इस घड़ी में पीड़ित परिवार स्वयं को अकेला न समझे, मैं व संपूर्ण प्रदेश साथ है।"

अखिलेश यादव बोले- जाने वाले को कोई रोक नहीं सकता, ओपी राजभर और चाचा शिवपाल पर निशाना

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को सुभासपा प्रमुख ओपी राजभर और अपने चाचा शिवपाल यादव पर पहली बार खुला हमला बोला। अखिलेश यादव ने यहां तक कहा कि जाने वाले को कौन रोक सकता है। राष्ट्रपति चुनाव में वोटिंग के दौरान ही बीजेपी के दावे पर अखिलेश यादव ने बड़ा आरोप भी लगाया। राष्ट्रपति चुनाव में वोट देकर निकले अखिलेश यादव ने मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने बढ़ती मंहगाई, दूध उत्पादों पर बढ़ाए गए जीएसटी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेवड़ी वाले बयान पर भी प्रतिक्रिया दी। अखिलेश यादव ने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव में साजिश रची गई है। इसी के तहत पहले दो डिप्टी सीएम ने ट्वीट किया और चाचा शिवपाल ने चिट्ठी लिखी है। अखिलेश ने कहा कि जाने वाले को कोई रोक नही सकता। दिल्ली से चिट्ठी पॉलिटिक्स की गई। चाचा से चिट्ठी लिखवाई गईं। लोकसभा में सपा घेरेगी। सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर के गठबंधन तोड़ने पर अखिलेश ने कहा कि जिन पार्टी को जो फैसला लेना है वो ले सकते हैं। अखिलेश ने कहा कि समाजवादियों के प्रति भाजपा की भाषा हमेशा से खराब रही। सपा प्रमुख ने बीजेपी के दावे पर कहा कि अगर एसपी के विधायक बीजेपी के संपर्क में हैं तो बीजपी उनकी लिस्ट जारी करे। बीजेपी से ज्यादा अच्छा गुमराह करने किसी को नहीं आता है। बीजेपी के चरित्र को सब कोई जानता है। वोटिंग से पहले बीजेपी ने दावा किया था कि सपा के 25 से 30 विधायक हमारे संपर्क मे हैं।

15वें राष्ट्रपति के लिए मतदान हुआ संपन्न

जमकर हुई क्रॉस वोटिंग, 21 जुलाई को मिलेगा जवाब

नई दिल्ली। भारत में 16वें राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान शाम 5 बजे खत्म हो गया। वोटिंग में कुल 4800 निर्वाचित सांसद और विधायकों ने हिस्सा लिया। चुनाव में एनडीए की ओर से उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू की जीत और इसके साथ ही देश के शीर्ष संवैधानिक पद पर पहली बार आदिवासी महिला की ताजपोशी लगभग तय है। 27 दलों के समर्थन के साथ द्रौपदी मुर्मू का पलड़ा भारी है। वहीं, महज 14 दलों का समर्थन के साथ सिन्हा को करीब 3.62 लाख वोट ही मिलने की उम्मीद है। नतीजों का एलान 21 जुलाई को होगा। राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान की अवधि शाम पांच बजे खत्म हो गई। इसी के साथ संसद में मतपेटियों को बंद कर दिया गया। अब 21 जुलाई को चुनाव के नतीजों का एलान होगा। तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री ओ पनीरसेल्वम सोमवार को राष्ट्रपति चुनाव में पीपीई किट पहनकर वोट देने पहुंचे। उनकी तस्वीर सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राष्ट्रपति चुनाव में अपना वोट डालने के लिए राज्य विधानसभा पहुंची। गौरतलब है कि राष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष की तरफ से उम्मीदवार बनाए गए यशवंत सिन्हा टीएमसी छोड़कर ही उम्मीदवार बने हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने संसद पहुंचकर राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपना वोट डाला। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, अधीर रंजन चौधरी, शशि थरूर ने संसद पहुंचकर राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपना वोट डाला। आम आदमी पार्टी के सांसद हरभजन सिंह ने सोमवार को दिल्ली में राष्ट्रपति चुनाव के लिए वोटिंग की। इसके साथ ही भाजपा सांसद गौतम गंभीर ने मतदान किया। दोनों ही नेता टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर रहे हैं। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर चंडीगढ़ में राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपना वोट डाला। केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया, हरदीप सिंह पुरी, समाजवादी पार्टी के मुलायम सिंह यादव और राकांपा प्रमुख शरद पवार ने दिल्ली में राष्ट्रपति चुनाव के लिए वोट डाला।

अमरनाथ तीर्थयात्री को बचाने की कोशिश में 300 फीट नीचे गिरा 22 वर्षीय टट्टू चालक, मौत

पहलगाम। दक्षिण कश्मीर के पहलगाम इलाके में अमरनाथ यात्री को बचाते हुए एक 22 वर्षीय टट्टू चालक की चट्टान से गिरकर मौत हो गई। मृतक की पहचान इम्तियाज खान के रूप में हुई है। इम्तियाज के बारे में कहा जाता है कि वह काफी मेहमाननवाज और मददगार स्वभाव के लिए व्यक्ति थे। खबर के मुताबिक, हादसे से पहले इम्तियाज अपने घोड़े से जा रहे थे। तभी उनकी नजर एक तीर्थयात्री पर पड़ी जो घोड़े पर सवार था और सो रहा था। इम्तियाज ने देखा कि यात्री सो रहा है और कभी भी गिर सकता है। उन्होंने उस तीर्थयात्री को जगाने की कोशिश की कि तभी वह खुद गहरी खाईं में जा गिरे। इम्तियाज के मामा नजीर अहमद खान ने कहा कि तीर्थयात्री को जगाने की कोशिश में इम्तियाज अपना संतुलन खो बैठा और चट्टान से नीचे गिर गया। वह 300 फीट नीचे गिर गया। न्यूज18 की रिपोर्ट के अनुसार, पर्वतारोही बचाव दल (एमआरटी) ने बड़ी मुश्किल से युवा घुड़सवार के शव को निकाला। अमरनाथ यात्रा के दौरान पिछले 36 घंटों में छह तीर्थयात्रियों और एक टट्टू चालक की मौत हो गई। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। तीर्थयात्रा के दौरान अब तक कुल 49 लोगों की मौत हो चुकी है। मृतकों में 15 वे यात्री शामिल हैं, जिनकी आठ जुलाई को अचानक आई बाढ़ में मौत हो गई थी। 30 जून से शुरू हुई तीर्थयात्रा के दौरान अब तक 47 यात्रियों और दो टट्टू चालकों की मौत हो चुकी है। एक टट्टू चालक की मौत पहलगाम में गहरी खाई में गिरने से हो गई थी। आठ जुलाई को अमरनाथ गुफा के पास अचानक आई बाढ़ में 15 यात्रियों की मौत हो गई थी, जबकि करीब 55 लोग घायल हो गए थे।

सरकारी कर्मियों पर दोहरी मारः महंगाई की उछाल, नहीं बढ़ा 'डीए'

अब जीपीएफ ब्याज दरों में भी इजाफा नहीं

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन दस्तक दे रहा है, लेकिन महंगाई के चलते केंद्र सरकार के कर्मियों पर दोहरी चोट हो रही है। एक तरफ रोजमर्रा की वस्तुओं पर जीएसटी बढ़ा दिया गया है, तो दूसरी ओर पहली जुलाई से देय 'महंगाई भत्ता' यानी डीए की दरें बढ़ाने की घोषणा नहीं हो सकी है। इन सबके परे, जीपीएफ और अन्य योजनाओं पर मिलने वाले ब्याज दरों में भी बढ़ोतरी नहीं की गई है। केंद्र सरकार ने वर्ष 2022-23 के दौरान सामान्य भविष्य निधि तथा उसी प्रकार की अन्य निधियों के अभिदाताओं की कुल जमा रकमों पर दी जाने वाली ब्याज दर एक जुलाई 2022 से 30 सितंबर 2022 तक 7.1 फीसदी रखा है। यह दर एक जुलाई, 2022 से लागू होगी। केंद्रीय कर्मियों को साल में दो बार, जनवरी व जुलाई में डीए बढ़ोतरी की सौगात मिलती है। कोरोनाकाल में लंबे समय तक डीए में बढ़ोतरी नहीं हुई। गत वर्ष डीए की दरों को बढ़ाया गया, लेकिन डेढ़ वर्ष के एरियर को लेकर सरकार ने कोई आश्वासन नहीं दिया। इस साल डीए की दरों में वृद्धि की गई। केंद्र सरकार ने गत मार्च में 'महंगाई भत्ते' में तीन फीसदी की वृद्धि की थी। इस बढ़ोतरी का फायदा 47 लाख कर्मचारियों और 68 लाख पेंशनभोगियों को हुआ था। तीन फीसदी की वृद्धि होने के बाद केंद्रीय कर्मियों का डीए 31 फीसदी से बढ़कर 34 फीसदी हो गया था। जुलाई से डीए में कितनी बढ़ोतरी होगी, यह घोषणा अभी तक नहीं हुई है। अब केंद्र सरकार ने छोटी बचत योजनाओं पर मिलने वाले ब्याज की दरों में भी कोई वृद्धि नहीं की है। मौजूदा समय में जीपीएफ पर सालाना ब्याज दर 7.1 फीसदी रखी गई है। खास बात ये है कि सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) पर मिलने वाले ब्याज की दरें गत जनवरी में भी 7.1 फीसदी थी। यानी एक जनवरी 2022 से लेकर 31 मार्च, 2022 तक ब्याज की दरें 7.1 फीसदी रखी गई। ये ब्याज दरें जीपीएफ के दायरे में आने वाले कर्मियों के साथ ही अन्य निधियों के अभिदाताओं की जमा राशि पर भी लागू होती हैं। केंद्र सरकार के कर्मियों को उम्मीद थी कि उन्हें अब बढ़ी हुई ब्याज दरों का तोहफा मिलेगा। लंबे समय से ब्याज दरों में कोई बढ़ोतरी दर्ज नहीं की गई है। अप्रैल 2020 में केंद्र सरकार ने जीपीएफ पर मिलने वाले ब्याज की दर 7.9 फीसदी से घटाकर 7.1 फीसदी कर दी थी। तब से लेकर अब तक ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इससे कर्मियों में रोष व्याप्त है। यह ब्याज दर सामान्य भविष्य निधि (केंद्रीय सेवाएं), अंशदायी भविष्य निधि (भारत), अखिल भारतीय सेवा भविष्य निधि, राज्य रेलवे भविष्य निधि, सामान्य भविष्य निधि (रक्षा सेवाएं), भारतीय आयुध विभाग भविष्य निधि, भारतीय आयुध कारखाना कामगार भविष्य निधि, भारतीय नौसेना गोदी कामगार भविष्य निधि, रक्षा सेवा अधिकारी

एटा में दबंगों ने शिव मंदिर पर किया कब्जा, अनुसूचित जाति के लोगों को पूजा करने से रोका

एटा। सदर तहसील क्षेत्र के गांव हिम्मतनगर बझेरा में शिव मंदिर की जमीन पर कुछ लोगों ने कब्जा कर लिया। सोमवार को जब अनुसूचित जाति के लोग मंदिर में पूजा करने पहुंचे तो गाली-गलौज कर भगा दिया गया। इसके विरोध में समाज के लोगों ने कलक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की है। कलक्ट्रेट पहुंचे गांव हिम्मतनगर बझेरा के रामखिलाड़ी, मथुरा प्रसाद, नेम सिंह, रामभरोसे आदि लोगों ने बताया कि गांव में किला पर समाज के लोगों ने शिव मंदिर और आश्रम बनवाया था। इस पर गांव के ही कुछ लोगों ने अपनी झोपड़ी डालकर कब्जा कर लिया है। घंटे, शिवलिंग, मूर्ति चोरी कर ली गई। आश्रम के कई पेड़ काट डाले गए हैं। पीड़ितों ने आरोप लगाया कि जब वे लोग पूजा के लिए मंदिर जाते हैं तो आरोपी गाली गलौज कर धमकाते हुए भगा देते हैं। मंदिर पर रहने वाले बाबा अजीत को पीटकर भगा दिया गया था। नौ जुलाई को थाने में शिकायत करने पर पुलिस ने दो लोगों को पकड़ा था, लेकिन बाद में दोनों को छोड़ दिया।

श्रीलंका का सबसे बड़ा ऋणदाता बना भारत, अब तक दिए 37.69 करोड़ डॉलर, चीन ने मुंह फेरा

नई दिल्ली। भारत साल 2022 के पहले चार महीनों में श्रीलंका के सबसे बड़े ऋणदाता के रूप में उभरा है। भारत ने श्रीलंका को इन चार महीनों में 37.69 करोड़ डॉलर का ऋण दिया। वहीं चीन ने केवल 6.790 करोड़ डॉलर का कर्ज श्रीलंका को दिया है। द्वीप राष्ट्र श्रीलंका अपने सबसे खराब आर्थिक संकट से जूझ रहा है। विदेशी मुद्रा की कमी के चलते 2.2 करोड़ की आबादी वाले श्रीलंका की हालत खराब है। भोजन, दवा और पेट्रोल डीजल की भारी कमी से जनजीवन अस्त व्यस्त है। पिछले महीने, श्रीलंका विदेशी कर्ज चुकाने से चूक गया था और इसकी मुद्रास्फीति में लगभग 50% की वृद्धि हुई है। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ जिसके कारण राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे देश छोड़कर भाग गए और उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। समाचार पत्र डेली मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 के पहले चार महीनों यानी 30 अप्रैल तक दिए गए पैसों के अनुसार, भारत ऋणदाताओं की सूची में सबसे ऊपर है। एशियाई विकास बैंक (अउइ) इस अवधि में 35.96 करोड़ डॉलर के साथ दूसरा सबसे बड़ा ऋणदाता था। इसके बाद विश्व बैंक है जिसने श्रीलंका को 6.73 करोड़ डॉलर का कर्ज दिया है। चीन द्वारा दिए गए कर्ज को अखबार ने मामूली बताया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जब श्रीलंका ने इस साल की शुरूआत में विदेशी मुद्रा की भारी कमी का सामना करना शुरू किया तो भारत इसके बचाव में आया था।

पीएम मोदी भारतीय नौसेना के कार्यक्रम में पहुंचे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय नौसेना द्वारा आयोजित ठक्कड (नौसेना नवाचार और स्वदेशीकरण संगठन) संगोष्ठी 'स्वावलंबन' में हिस्सा लेने पहुंचे। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद थे। इस दौरान भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए NIIO को अगस्त 2020 में लॉन्च किया गया था। इस संगोष्ठी से रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को और बढ़ावा मिलेगा और नौसेवा की भारतीय उद्योग से सहभागिता को भी गति मिलेगी। NIIO संगोष्ठी 'स्वावलंबन' में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि 1980 में आज ही के दिन हमारे देश ने स्पेस टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर अपना पहला कदम बढ़ाया था। आज ही के दिन हमारे देश ने स्वदेशी प्रक्षेपण वाहन से स्वदेशी उपग्रह रोहिणी को सफलतापूर्वक लॉन्च भी किया था। इसके बाद पीएम मोदी ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेनाओं में आत्मनिर्भरता का लक्ष्य, 21वीं सदी के भारत के लिए बहुत जरूरी है। आत्मनिर्भर नौसेना के लिए पहले स्वावलंबन सेमिनार का आयोजन होना, इस दिशा में अहम कदम है। उन्होंने कहा कि नौसेना के लिए 75 स्वदेशी प्रौद्योगिकियों का निर्माण एक तरह से पहला कदम है। हमें इनकी संख्या को लगातार बढ़ाने के लिए काम करना है। आपका लक्ष्य होना चाहिए कि भारत जब अपनी आजादी के 100 वर्ष का पर्व मनाए, उस समय हमारी नौसेना एक अभूतपूर्व ऊंचाई पर हो। पीएम मोदी ने कहा कि बीते दशकों की अप्रोच से सीखते हुए आज हम सबका प्रयास की ताकत से नए रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र का विकास कर रहे हैं। आज रक्षा अनुसंधान एवं विकास को निजी क्षेत्र, शिक्षाविद, MSMEs और स्टार्ट-अप के लिए खोल दिया गया है। उन्होंने कहा कि अपनी पब्लिक सेक्टर डिफेंस कंपनियों को हमने अलग-अलग सेक्टर में संगठित कर उन्हें नई ताकत दी है। आज हम ये सुनिश्चित कर रहे हैं कि IIT जैसे अपने प्रमुख संस्थान को भी हम रक्षा अनुसंधान और नवाचार से कैसे जोड़ें। बीते 8 वर्षों में हमने सिर्फ रक्षा क्षेत्र का बजट ही नहीं बढ़ाया है, ये बजट देश में ही रक्षा विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के विकास में भी काम आए, ये भी सुनिश्चित किया है। रक्षा उपकरणों की खरीद के लिए तय बजट का बहुत बड़ा हिस्सा आज भारतीय कंपनियों से खरीद में ही लग रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार हम अपनी आशा के अनुसार मनुष्य के ज्ञान का न्याय करते हैं। - राल्फ वाल्डो इमर्सन

संपादकीय

जगदीप धनखड़ः सही पसंद

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

भाजपा सरकार ने राष्ट्रपति पद के लिए द्रौपदी मुर्मु को उम्मीदवार बनाया और अब उप-राष्ट्रपति पद के लिए जगदीप धनकड़ का नाम घोषित हुआ है। दोनों उम्मीदवारों को मंत्री और राज्यपाल रहने का अनुभव है लेकिन इससे भी बड़ी बात यह है कि इन दोनों को इन सर्वोच्च पदों के लिए चुनते हुए भाजपा नेताओं ने किस बात का ध्यान रखा है? वह बात है वंचितों के सम्मान और वोट बैंक की! एक उम्मीदवार देश के समस्त आदिवासियों को भाजपा से जोड़ेगा और दूसरा समस्त पिछड़ों को! यह देश के आदिवासियों और पिछड़ी जातियों में यह भाव भी भरेगा कि वे लोग चाहे सदियों से दबे-पिसे रहे लेकिन यदि उनके दो व्यक्ति भारत के सर्वोच्च पदों पर पहुंच सकते हैं तो वे भी जीवन में आगे क्यों नहीं बढ़ सकते? किसान-पुत्र धनकड़ के उप-राष्ट्रपति बनने की घटना देश के किसानों में नई उमंग जगाए बिना नहीं रहेगी। इसके अलावा पं. बंगाल, झारखंड और उड़ीसा के आदिवासियों को भाजपा की तरफ खींचने में और ममता बनर्जी के वोट बैंक में सेंध लगाने में ये दोनों पद कोई न कोई भूमिका जरुर निभाएंगे। जगदीप धनकड़ की उपस्थिति का लाभ भाजपा को राजस्थान, उत्तरप्रदेश और हरयाणा में भी मिलेगा। धनकड़ उपराष्ट्रपति के रूप में राज्यसभा के अध्यक्ष होंगे। यह शायद पहला संयोग होगा कि लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिड़ला और राज्यसभा के अध्यक्ष धनकड़ एक ही राज्य राजस्थान के होंगे। यह तथ्य राजस्थान की कांग्रेस सरकार के लिए चुनौती भी बन सकता है। धनकड़ को विधायक, सांसद और केंद्रीय मंत्री रहने का अनुभव भी है। वे जनता पार्टी और कांग्रेस में भी रह चुके है। उन्हें उप-राष्ट्रपति पद पर भाजपा बिठा रही है, इससे यह सिद्ध होता है कि भाजपा अपने दरवाजे बड़े कर रही है। वे यदि अपनी विनम्रता के लिए जाने जाते हैं तो उनकी स्पष्टवादिता भी सर्वज्ञात है। उनके जितने दो-टूक राज्यपाल देश में कितने हुए हैं? पं. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की जितनी खुली खिंचाई धनकड़ ने की है, क्या कोई अन्य राज्यपाल किसी मुख्यमंत्री की कर पाया है? इसीलिए उन्हें 'जनता का राज्यपाल' कहा जाता है। पिछले साल जब जगदीपजी ने मेरे खातिर अपने राजभवन में प्रीति-भोज आयोजित किया तो मैंने अपने कोलकाता के सभी खास मित्रों को आमंत्रित किया। उसमें भाजपाइयों और संघियों के अलावा कांग्रेसी, ममता के तृणमूली और कुछ पत्रकार भी थे। उन्हें देखकर राज्यपाल ने कुछ लोगों को कहा कि आप लोगों से मैं बहुत नाराज हूं लेकिन आप वैदिकजी के मित्र हैं, इसलिए आपका विशेष स्वागत है। कौन कहेगा, ऐसी दो-टूक बात? धनकड़ राजस्थान के किसान परिवार के बेटे हैं लेकिन उन्होंने अपनी योग्यता के बल पर अपनी वकालत की धाक सर्वोच्च न्यायालय तक में जमा रखी थी। पं. बंगाल में इस बार भाजपा विधायकों की संख्या 3 से बढ़कर 71 हो गई। इसक बड़ा श्रेय राज्यपाल जगदीप धनकड़ को भी है। मुझे विश्वास है कि अब राज्यसभा का सदन ज़रा बेहतर और अनुशासित ढंग से काम करेगा। धनकड़ की जीत तो सुनिश्चित है ही, उनके सदव्यवहार का असर हमारे विपक्ष पर भी देखने को मिलेगा।

घात और बात की चीनी रणनीति के खतरे

विवेक काटजू

जब से चीन ने अप्रैल, 2020 में लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर कई जगह सीमा उल्लंघन किया है, भारत द्वारा अपनाया गया रुख एकदम सही है कि यह हरकत अस्वीकार्य है। आज की तारीख में, बेशक चीन कब्जाए गए कई इलाकों से वापस पीछे हट चुका है, लेकिन सब क्षेत्रों से नहीं। भारत इस बात पर जोर देता आया है कि भारत-चीन बृहद रिश्तों में सामान्य स्थिति तब तक बहाल नहीं हो सकती जब तक कि सीमा पर शांति और स्थिरता कायम न हो। इसलिए, यह अवयव सीमा की स्थिति और कुल भारत-चीन बृहद रिश्तों के बीच सीधा संबंध स्थापित करता है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कई मौकों पर चीनी घुसपैठ पर भारत की स्थिति एकदम स्पष्ट की है। देश में राजनीतिक और सामरिक समझ रखने वाला वर्ग भी चीनी घुसपैठों पर सरकारी रुख का समर्थन करता है, इसमें द्विपक्षीय संबंधों में सामान्य स्थिति के लिए सीमा पर शांति बने रहना जरूरी है, वाला पहलू भी शामिल है। और इसके लिए, जहां कहीं भी चीन घुस आया है, पहले उन सभी जगहों से हटना आवश्यक है। एस. जयशंकर की मुलाकात गत 7 जुलाई को अपने चीनी समकक्ष वांग ली के साथ इंडोनेशिया के बाली में हुई, जहां ये दोनों जी-20 संगठन के विदेश मंत्री सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे थे। इस महत्वपूर्ण भेंट पर भारत के विदेश मंत्रालय ने उसी दिन विज्ञप्ति जारी की है। इसमें कहा गया, 'एस. जयशंकर ने पूरबी लद्दाख की सीमा नियंत्रण रेखा पर बाकी बचे सभी विवादों को जल्दी हल करने का आह्वान किया है। जयशंकर ने वांग ली से वार्ता में इस बात पर जोर दिया कि उन द्विपक्षीय समझौतों, आचार संहिता और समझ पर अमल करना जरूरी है, जिन पर विगत में सहमति बन चुकी है। भारत-चीन बृहद रिश्तों का हवाला देते हुए उन्होंने 'तीन साझे अवयव'- आपसी सम्मान, आपसी संवेदनशीलता और आपसी हित- पर पालना करने की जरूरत बताई'। अलबत्ता, विदेश मंत्रालय के इस वक्तव्य में यह जिक्र नहीं था कि जयशंकर ने वांग ली से कहा है कि आपसी बृहद रिश्तों का सामान्य होना वास्तविक सीमा रेखा पर शांति और स्थिरता होने से जुड़ा है। हो सकता है, विदेश मंत्रालय की इस विज्ञप्ति में चीनी घुसपैठ पर भारत की इस महत्वपूर्ण स्थिति के बारे में जिक्र न होना भूलवश हो, जबकि शायद जयशंकर ने कहा हो, तब यह गंभीर विभागीय चूक है, लेकिन यदि जयशंकर ने जान-बूझकर इस बिंदु पर बात नहीं की तो सवाल उठता है कि क्या इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर भारत अपना रुख बदल रहा है? इस तथ्य के मद्देनजर कि नई दिल्ली में 25 मार्च को वांग ली से हुई मुलाकात में एस. जयशंकर ने उपरोक्त दोनों बिंदुओं के बीच संबंधों का जिक्र विशेषतौर पर करते हुए कहा था- 'सीमा पर तनाव का असर आपसी बृहद संबंधों पर पिछले दो सालों में नजर आया है', उन्होंने आगे कहा 'सामान्य स्थिति की बहाली के लिए जरूरी है कि सीमारेखा पर शांति और स्थिरता बनी रहे। अगर दोनों पक्ष रिश्ते सुधारने को प्रतिबद्ध हैं तो यह भावना सीमा पर हुई घुसपैठ से वापसी के लिए जारी वार्ता में भी पूरी तरह दिखनी चाहिए।' उन्होंने तब भी भारत-चीन संबंधों के लिए 'तीन साझे अवयवों' का जिक्र किया था। आगे, जून माह में दिल्ली वार्ता के 12वें संस्करण में अपने संबोधन में एस. जयशंकर ने एक बार फिर से 'तीन साझे अवयवों' पर जोर देने के अलावा भारत-चीन संबंधों के सामान्यीकरण को सीमा पर शांति और स्थिरता बहाली से जोड़ा। उन्होंने कहा, 'सीमा की स्थिति रिश्तों की हालत में झलकती है।' यह संक्षिप्त टिप्पणी भारत के रुख का आधार बताती है। जयशंकर ने बाली में अपने मुख्य संबोधन में भी इस टिप्पणी को शामिल किया था जब उन्होंने कहा 'भारत के लिए आसियान-केंद्रित ट्रैक फोरम 1.5 सर्वप्रथम है' और अपने कुछ आसियान समकक्षों की उपस्थिति में संकेत दिया था कि उनका मंतव्य दरअसल आसियान संगठन को यह अहसास करवाने का था कि कि हमारी सीमा पर चीनी घुसपैठ अस्वीकार्य है और भारत इसे नज़रअंदाज़ नहीं करेगा और यह स्थिति चीन के साथ सामान्य कामकाज तब तक नहीं बनने देगी जब तक कि चीन निवारक कदम न उठाए। बाली में हुई बैठक के बाद चीन द्वारा जारी बयान की विवेचना के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय से आई विज्ञप्ति पर स्पष्टीकरण आना और जरूरी हो जाता है। क्योंकि चीनी विज्ञप्ति कहती है 'जयशंकर ने वांग ली से कहा कि दोनों पक्षों ने सीमा पर स्थायित्व जैसे पहलुओं पर सकारात्मक प्रगति की है और हम द्विपक्षीय संबंधों में और सुधार लाने को बढ़ावा देने के लिए चीन के साथ मिलकर काम करते हुए इस ओर स्पष्ट संकेत देने को तैयार हैं, ताकि दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के नजरिए को हकीकत में बदला जा सके और आपसी समझ में इजाफा हो।' जयशंकर के मुंह में ये शब्द डालकर चीन जताना चाहता है कि भारत की झिझक लद्दाख सीमा पर हुई 2020 की घटना से अब और अधिक बंधी हुई नहीं है और वह संबंधों को आगे ले जाने में इच्छुक है। यह बात जयशंकर के उन बयानों से मेल नहीं खाती जिस पर वह बारम्बार जोर देते आए हैं। पिछले दो सालों में चीन ने वास्तविक सीमा नियंत्रण रेखा पर अपनी तरफ बुनियादी ढांचे में बहुत बदलाव किया है। यह उसको सेना की तैनाती शीघ्र करने में मददगार होगा। परिणामवश, भारत के पास और कोई विकल्प नहीं बचा कि वह भी वित्तीय स्रोत जुटाकर सीमारेखा पर अपने क्षेत्र के आधारभूत ढांचे का विकास करे। भारत को लेकर चीन का कुल मिलाकर रुख यही रहा है कि सीमारेखा विवादों का महत्व कम आंककर रिश्तों के अन्य पहलुओं पर जोर दिया जाए। जबकि भारत कैसे अप्रैल, 2020 की घुसपैठ को नजरअंदाज़ कर सकता है। भविष्य में 1990 के दशक वाले वास्तविक सीमारेखा शांति बहाली समझौतों पर निर्भर नहीं रहा जा सकता। चीन की यह चाल उससे दरपेश सामरिक चुनौतियों को उघाड़कर बताती है। जहां एक ओर तनाव घटाने को कूटनीतिक और फौजी-से-फौजी समझौता वार्ताएं जारी रखना जरूरी है, वहीं यह प्रयास भारत के राजनीतिक और सामरिक वर्ग की इस सोच को ढीला न पड़ने दें कि चीन के दुस्साहसों की प्रभावशाली ढंग से रोकथाम हेतु भारत की सम्मिलित शक्ति बनाने के लिए राष्ट्रीय प्रयासों को अंजाम देने की जरूरत है। इसके लिए आवश्यक है कि राजनीतिक विचारधारा से बने नीतिगत उतार-चढ़ाव देश की सामरिक जरूरतों के आड़े न आने पाएं। यह तत्व सामाजिक शांति कायम रखने के लिए भी जरूरी है और ऐसे में मौजूदा विचारधारा आधारित प्रतिद्वंद्विता को सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की इज़ाजत न हो। वास्तव में सामाजिक शांति बने रहना एक सामरिक सरमाया होता है, इसका न होना दुश्मनी पर उतारू विदेशी शक्तियों और संगठनों को भारत के हितों को चोट पहुंचाने का संभावित मौका प्रदान करता है। यदि कोई उच्च-स्तरीय मुलाकात होने वाली हो, कूटनीति में, अपने रुख में कुछ फेरबदल करना पड़ता है, ऐसा शीर्ष राजनेताओं के वास्ते सकारात्मक माहौल बनाने के लिए किया जाता है। तथापि, ऐसे प्रयास मुल्क के मूल रुख पर जाने-अनजाने में शंका बनने की कीमत पर न हों।

लेखक विदेश मंत्रालय में सचिव रहे हैं।

आम आदमी का दर्द क्यों नहीं होता महसूस

लक्ष्मीकांता चावला

अपने देश में और कहीं-कहीं दुनिया में भी एक वाक्य यदा-कदा सुनने को मिलता है- भावनाएं आहत हो गईं, धार्मिक भावनाओं का अपमान कर दिया। कुछ भावनाएं ऐसी हैं जो केवल पूजा स्थानों या विशेष संप्रदाय के महापुरुषों से जुड़ी रहती हैं। अगर वही भावनाएं अनियंत्रित हो जाएं तो फिर न किसी का सिर काटने में संकोच होता है, न आग लगाने में, न दंगा करने में संकोच किया जाता है। सवाल है कि यही संवेदना या आक्रोश की भावनाएं, दया या विरोध की भावनाएं उस समय क्यों छिपी रहती हैं, सोई रहती हैं जब मानवता के विरुद्ध बड़ा अपराध होता है। जब बच्चे बिना इलाज के मौत के मुंह में चले जाते हैं। हिंदुस्तान जैसे देश में आज तक असंख्य बेटियां जन्म से पहले मां के गर्भ में ही क्रूरता से कत्ल कर दी गईं या नवजात बच्चियां कूड़े के ढेर पर फेंक दी गईं। उस समय वह भावनाएं न जाने किस गड्ढे में दबी रहती हैं जो भावनाएं किसी का सिर कटवा देती हैं, आग लगाने में कोई संकोच नहीं करतीं। इस समय जो भयावह संकट देश के सामने है, आकाश से बरस रहा है कहीं भयानक बारिश के रूप में, कहीं बादल फटने के रूप में और जिसके परिणामस्वरूप लाखों लोगों की आंखें बरस रही हैं। हजारों लोग प्रतिवर्ष इसी बाढ़ और बादलों के कहर के कारण मौत के मुंह में चले जाते हैं, बेघर हो जाते हैं, उनके लिए आम जन से लेकर नेताओं तक की भावनाएं बिल्कुल शांत हो चुकी हैं। आमजन तो बेचारा आमजन है। रोटी के लिए संघर्ष करता हुआ जिंदगी एड़ियां रगड़-रगड़ कर जी लेता है, पर जो देश के बड़े-बड़े नेता, शासक राजनीति के स्वामी हैं वे भी बाढ़ की समस्या को उतनी गंभीरता से नहीं ले रहे जितना उनको लेना चाहिए। कटु सत्य यह है कि दुनिया में बाढ़ से जितनी जन-धन की हानि होती है, उसका बीस प्रतिशत केवल भारत में है। हर वर्ष वर्षा होती है, आगे भी होती रहेगी पर आज तक यह प्रबंध क्यों नहीं हो पाया कि जो क्षेत्र हर वर्ष बाढ़ग्रस्त होते ही हैं उन क्षेत्रों से जनता को हटाकर कहीं दूर बसा दिया जाए। यह प्रयास भी नहीं हुआ कि नदियों-दरियाओं के रास्ते में जो अवैध कब्जे और अवैध खनन के कारण बाढ़ की स्थिति बनती है उसे ही नियंत्रित कर लिया जाए। श्री केदारनाथ धाम में जो कुदरत का कोप आदमी को सहना पड़ा उसके लिए भी यही कारण बताया गया था कि जिन क्षेत्रों में पानी को बहना है, उसी जमीन पर कब्जा करके बड़े-बड़े भवन खड़े किए गए। असम की बाढ़ कौन नहीं जानता। इस समय तेलंगाना, आंध्र, महाराष्ट्र, गुजरात, हिमाचल, उत्तराखंड जैसे बहुत से प्रांतों में वर्षा से बाढ़ बन चुके कुदरती कोप का भयानक रूप देखने को मिल रहा है। पर प्रश्न फिर वही है कि एक साधारण से चित्र या शब्द या किसी की टिप्पणी से जो क्रोध, आक्रोश, हिंसा और बदले की भावना देश को जलाने के लिए भड़कती है, वही भावना अपने देशवासियों को बचाने के लिए सामने क्यों नहीं आती? वर्षा हम नहीं रोक सकते, बादल कब फटेंगे नहीं जानते, भूस्खलन और पहाड़ों का गिरना प्रकृति के हाथ में है पर वहां बसे अपने देशवासियों को सुरक्षित स्थान पर मुसीबत आने से पहले ही ले जाना यह तो देश के नेताओं के हाथ में है। अपने-अपने धार्मिक स्थलों की विशालता का गुणगान करने वाले धार्मिक नेता व राजनीति के स्वामी न जाने क्यों मौन धारण रखते हैं। एक नहीं, अनेक ऐसे प्रसंग हैं जहां मानव हृदय पीड़ित होना चाहिए। नेताओं की भावनाएं सेवा-सहायता के लिए जन-जन तक राहत देने के लिए पहुंचनी चाहिए। और भी देखिए, अब कानून की छाया में लड़कियां देह व्यापार कर सकती हैं और इससे पहले 'लिव इन रिलेशन' का कानून जब बना या अवैध संबंधों को मान्यता दी गई तब भी वे सब मूक बने रहे, जिनसे आशा थी कि वे इन निर्णयों से तड़पेंगे और इन्हें रद्द करवाएंगे। एक मुस्लिम महिला को सुप्रीम कोर्ट ने गुजारा भत्ता दे दिया तो राजनीति और धर्म के ठेकेदार इतने तड़पे कि संसद में उस कानून को बदलना पड़ा, पर देश की बेटियां कानूनी छाया में देह व्यापार करें, तब न कोई तड़पा, न प्रदर्शन हुए, न कोई मशाल मार्च। देश में बीस करोड़ लोग रोज भूखे सोते हैं। कौन नहीं जानता कि सड़कों पर बच्चे जन्म लेते और वहीं आधे बूढ़े होकर मर जाते हैं। लाखों बच्चे लापता हैं। वे फंसाए गए होंगे या देह व्यापार में या अंगों की तस्करी में या अपराधों की दुनिया में। अपने देश के नेताओं, धर्म के तथाकथित ठेकेदारों, मानवाधिकारियों से सवाल है कि ये भावनाएं तभी क्यों घायल होती हैं जब केवल धर्म के तथाकथित ठेकेदार लोगों को भड़काते हैं। किसी धर्म विशेष के विरुद्ध अपने समुदाय को हिंसा के लिए प्रेरित करते हैं। मानवता और मानव की पीड़ा को समझने वाली, समाधान देने वाली भावनाएं कहां खो गई हैं अपने देश और समाज में?

आज के कार्टुन

चेतना

जग्गी वासुदेव/ चेतना का अर्थ यह नहीं है कि आप खुद के बारे में सचेत रहें। खुद के प्रति सचेत रहना एक बीमारी है, और अचेत होना मृत्यु। चेतन होने का मतलब यह है कि आप अपने मूल से जुड़े रहते हैं। आप जिसे चेतना कहते हैं, वह कोई कार्य, कोई विचार या गुण नहीं है- यह तो सृष्टि का आधार है। अगर हम कहते हैं कि आप की चेतना बढ़ गई है तो इसका अर्थ यह नहीं है कि आप अपने जर्मन शेपर्ड (कुत्ते) से ज्यादा सतर्क हो गए हैं। चेतना दिमाग की नहीं होती, लेकिन अगर चेतना जागृत है तो मन स्पष्ट हो जाता है। यह आपके मन और शरीर के माध्यम से, आपकी हर एक कोशिका से, शक्तिशाली रूप से अभिव्यक्त होती है। चेतना इसलिए नहीं होती, कि आप कुछ कर रहे हैं, ये बस इसलिए होती है कि आप ने इसे होने दिया है। आप का जीवन भी चल रहा है, लेकिन आप कुछ भी नहीं कर रहे। हम जिसे चेतना कहते हैं, वह आप के जीवन और अस्तित्व का आधार है। यह कोई ऐसी बात नहीं है जो आप किसी खास समय पर कर सकते हैं या किसी खास समय पर नहीं कर सकते। चेतना तो तब भी है, जब आप इस शरीर में है या बिना शरीर के हैं। प्रश्न सिर्फ यह है कि वह आप को उपलब्ध है या नहीं? आप हमेशा चेतना के लिए उपलब्ध होते हैं, आप उससे बच नहीं सकते, पर क्या वह आप को उपलब्ध है? चेतना हमेशा आप के जीवन में प्रभाव डालती है। प्रश्न यह है कि क्या आप की पहुंच चेतना तक है? आपके इस पहुंच से दूर रहने का कारण यह है कि अगर आप इस तक पहुंच बना लेते हैं तो 'आप' गायब हो जाएंगे, 'आप' का अस्तित्व नहीं रहेगा। आप के पास न गर्व रहेगा, न शर्म रहेगी, न दर्द न सुख। लेकिन आप वह सब कर सकेंगे जो आप करना चाहते हैं। देखिये, मैं वह सब कर रहा हूं जो मैं करना चाहता हूं, पर वास्तव में, मैं कुछ भी नहीं कर रहा! आप के पास जीवन में बड़ी सफलताएं नहीं होंगी और आप अपने अंदर, किसी दूसरे की अपेक्षा न बेहतर होंगे न बदतर। आप न ऊपर जाएंगे न नीचे, लेकिन आप वह सब कर सकेंगे जो आप चाहते हैं। आप अपने जीवन में हर अनुभव पा सकेंगे। अगर मैं चाहूं, मैं अपने आप को बहुत दुखी बना सकता हूं, या फिर अपने आप को अति आनंदित बना सकता हूं, लेकिन दोनों ही अवस्थाओं में मैं जानता हूं कि यह मेरी ही बनाई हुई हैं।

सू-दोकू नवताल -2168

2				8			3	
4	3				9	8		
								9
	7	1			2		5	
8				4				3
	2		8			9	6	
6								
		8	2				7	5
	4			3				6

सू-दोकू -2167 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2168

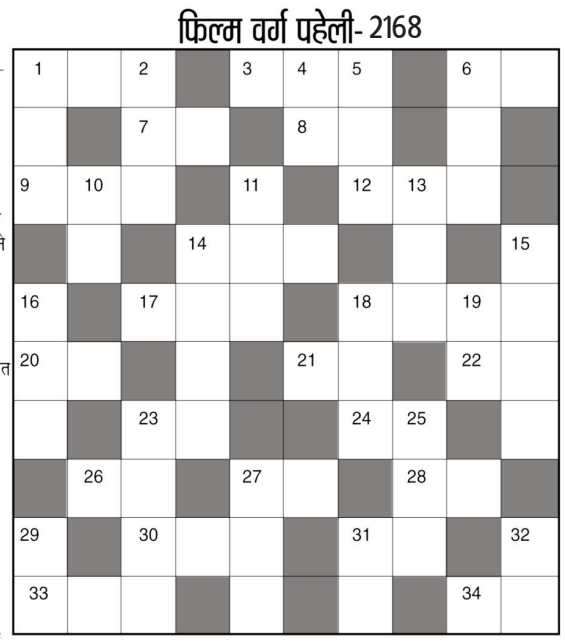

बायें से दायें:-

1. जैकी, सलमान, रंभा, अश्विनी की फिल्म-3
3. नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-3
6. फिल्म 'इंडियन' में नायक कौन था ?-2
7. 'तू प्यार का सागर है' गीतवाली फिल्म-2
8. फिल्म 'लावारिस' में अमिताभ बच्चन के किरदार का या नाम था ?-2
9. फिल्म 'घर में राम गली में श्याम' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी ?-3
12. 'शहर की लड़की' गीतवाली फिल्म-3
14. 'अंग्रेजी में कहते हैं आई लव यू' गीत वाली फिल्म-3
17. सनी देओल, अमीषा की फिल्म-3
18. हिंदी फिल्मों का पहला 'ही-मैन' किसे कहा जाता है ?-4
20. फिल्म 'सपनों का सौदागर' में राजकपूर के साथ नायिका-2
21. फिल्म 'अंत' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी ?-2
22. 'मेरे सीने में तेरा दिल धड़के' गीत वाली फिल्म-2
23. सनी, सुनील, शिल्पा की फिल्म-2
24. फिल्म 'दो बदन' के संगीतकार-2
26. फिल्म 'फिजा' में ऋतिक की मां की भूमिका किसने की थी ?-2
27. आफताब शिवदासानी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-2
28. 'नी मैं यार मनाना नी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर, राखी की फिल्म-2
30. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला सिन्हा की 'गुस्सा इतना हसीन है तो' गीत वाली फिल्म-3
31. सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-2
33. अक्षय कुमार, सुनील, करिश्मा, सोनाली की 'मैं लड़की का दीवाना' गीत वाली फिल्म-3
34. राजेश, बबीता अभिनीत फिल्म-2

ऊपर से नीचेः-

1. 'ओ जाने वाले हो सके तो लौट के आना' गीत वाली अशोक कुमार, नूतन, की फिल्म-3
2. फिल्म 'कभी कभी' में ऋषि कपूर की नायिका-3
4. फिल्म 'दौलत की जंग' में आमिर खान के साथ नायिका कौन थी ?-2
5. ऋषि कपूर, अरबाज, जूही अभिनीत फिल्म-3
6. शत्रुघ्न सिन्हा, पूनम ढिल्लो अभिनीत फिल्म-3
10. अनिल कपूर, श्रीदेवी की 'कभी मैं कहूं कभी तुम कहो' गीत वाली फिल्म-2
11. सुनील शेट्टी, हरीश, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-3
13. 'दिल ना किसी का जाये' गीत वाली फिल्म-3
14. 'मय से मीना से ना साकी से' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-4
15. बॉबी देओल, अक्षय, करीना, बिपाशा की 'कसम से तेरी आंखें' गीत वाली फिल्म -4
16. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीप कुमार, कल्पना की फिल्म-3
18. अमिताभ, विनोद खन्ना, सायरा बानो की 'तुम भी चलो हम भी चलें' गीत वाली फिल्म-3
19. 'फूल मांगू ना बहार मांगू' गीत वाली संजय कपूर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-2
23. अजय देवगन, सुनील शेट्टी, संजय कपूर, चंकी पांडे, रिया, रवीना, नेहा की 'ऐतबार नहीं करना' गीत वाली फिल्म-4
25. 'कभी खोले ना तिजोरी का ताला' गीत वाली जीतेंद्र, लीना चंदावरकर की फिल्म-3
27. रंजन, चित्रा, जयश्री गड़कर की 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली फिल्म-3
29. संजय दत्त, अभिषेक जायेद खान, ईशा देओल, राइमा सेन, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-2
31. गोविंदा, जूही चावला की 'आ जाना जरा हाथ बढ़ाना' गीत वाली फिल्म-2
32. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली विक्रम, लक्ष्मी फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2167

अ	न	मो	ल		फि	जा		य	श
र्प		ह	व	स		न	गिं	स	
ण		ब्ब		नी	ल	म		बॉ	बी
	जी	तें	द्र		ड़ा		जीं	स	
घा	त			आ	ई	ना			मु
त		आ	वा	रा		रा	जा	जा	नी
क	री	ना		ध		ज			म
	ना		बे	ना	म		मौ		जी
हे		दा	ता		हि	रा	स	त	
मा	या		ब	ल	मा		म		मां

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जेएसडब्ल्यू स्टील ने कार्बन उर्जन कम करने बीसीजी से साझेदारी की

नई दिल्ली । जेएसडब्ल्यू स्टील ने सोमवार को कहा कि कार्बन उत्सर्जन कम करने उसने अमेरिका स्थित बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) के साथ साझेदारी की है। जेएसडब्ल्यू स्टील का 2005 की तुलना में 2029-30 तक अपना कार्बन उत्सर्जन 42 फीसदी तक कम करने का लक्ष्य है। सरकारी दस्तावेज के मुताबिक सालाना आधार पर कुल कार्बन उत्सर्जन में लौह एवं इस्पात उद्योग की वैश्विक स्तर पर हिस्सेदारी करीब आठ फीसदी है। वहीं भारत में यह कुल कार्बन उत्सर्जन का 12 फीसदी है। ऐसे में सीओपी26 जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में जताई गई प्रतिबद्धताओं के मद्देनजर भारतीय इस्पात उद्योग को उत्सर्जन में उल्लेखनीय कटौती करने की जरूरत है। जेएसडब्ल्यू स्टील में संयुक्त प्रबंध निदेशक एवं समूह के मुख्य वित्तीय अधिकारी शेषगिरी राव ने कहा कि अपने उत्सर्जन कटौती के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में तेजी से बढ़ने की खातिर जेडब्ल्यूएस स्टील बीसीजी के साथ साझेदारी कर रहा है। राव ने कहा कि कंपनी के पर्यावरण संबंधी प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए डिजिटलीकरण को अपनाने पर और विश्लेषण करने पर ध्यान दिया जाएगा।

प्रधान एयर को पहला परिवर्तित ए320 मालवाहक विमान मिला

मुंबई । मालवाहक एयरलाइन प्रधान एयर एक्सप्रेस को अगले साल तक चार विमानों के बेड़े को संचालित करने की अपनी योजना के तहत अपना पहला परिवर्तित ए320 मालवाहक विमान मिला है। दिल्ली स्थित कंपनी ने इस महीने की शुरुआत में मालवाहक हवाई सेवाओं का संचालन करने के लिए नागर उड्डयन मंत्रालय से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त किया था। प्रधान एयर ने यह घोषणा भी की थी कि एयरलाइन इस साल तक परिचालन शुरू कर देगी। एयरलाइन ने कहा कि प्रधान एयर का पहला परिवर्तित ए320 कार्गो विमान पहलवान पहुंच चुका है। बयान में कहा गया कि 21 टन पेलोड क्षमता वाला कार्गो विमान घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर सेवाएं देगा। प्रधान एयर एक्सप्रेस के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और संस्थापक निपुण आनंद ने कहा` कि विमान का आगमन एक और महत्वपूर्ण चरण के पूरा होने का प्रतीक है और यह हमें जल्द ही वाणिज्यिक संचालन शुरू करने के लिए हमारे हवाई परिचालक परमिट के करीब लाता है। उन्होंने कहा कि इस साल के ओ खिरी तक दूसरा ए320 पी2एफ हासिल करने की उम्मीद है। एयरलाइन अगले साल अपने बेड़े में दो ए321 मालवाहक भी शामिल करना चाहती है।

आरकैप के लेनदारों ने आरसीएफ व आरएचएफ को किया अलग

मुंबई । दिवालिया प्रे क्रिया का सामना कर रही फर्म रिलायंस कैपिटल की बिक्री प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए लेनदारों ने रिलायंस कॉमर्शियल फाइनैंस और रिलायंस हाउसिंग फाइनैंस की अलग समाधान प्रक्रिया के लिए उसे एक ट्रस्ट के तहत कर दिया है। इनकी बिक्री से मिलने वाली राशि भविष्य में रिलायंस कैपिटल के लेनदारों को सीधे मिलेगी। रिसंपत्ति बिक्री समिति का गठन इन दोनों कंपनियों की बिक्री के लिए की जाएगी और इनमें सीओसी के तीन सदस्य, प्रशासक और डेलॉयट के प्रतिनिधि होंगे। बोलीदाताओं से कहा गया है कि हाउसिंग फाइनैंस व एनबीएफसी इकाई की समाधान प्रक्रिया के क्रियान्वयन में देरी पर परिसंपत्ति बिक्री समिति के साथ मिलकर ट्रस्टी अगले एक साल या समिति की तरफ से तय अवधि में वैकल्पिक बिक्री प्रक्रिया पर फैसला लेंगे। इन दोनों इकाइयों आरसीएफ व आरएचएफ का संयुक्त कर्ज करीब 25,000 करोड़ रुपए है और ट्रस्ट का प्रस्तावित ढांचा सुनिश्चित करेगा कि आरकैप के बोलीदाताओं को इस कर्ज से न जूझना पड़े। एलआईसी समेत कई लेनदारों ने रिलायंस कैपिटल के खिलाफ 25,333 करोड़ रुपए का कुल दावा ठोका है।

सोने-चांदी की कीमतों में तेजी

मुंबई ।

वैश्विक बाजारों में कीमती धातुओं में तेजी की वजह से घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में भी सोमवार को तेजी देखी जा रही है। पिछले सप्ताह लगातार गिरावट से उबरकर सोमवार को पीली धातु के वायदा भाव में तेज बढ़त दिखी, जबकि चांदी फिर 56 हजार के करीब पहुंच गई। मल्टीकमोडिटी एक्े सचेंज पर सोमवार सुबह 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने का वायदा भाव 248 रुपए बढ़कर 50,355 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है। इससे पहले सोने में कारोबार की शुरुआत 50,150 रुपए के स्तर पर खुलकर हुई थी लेकिन मांग बढ़ने से जल्द कीमतों में उछाल दिखने लगा। सोना अभी अपने पिछले बंद भाव से 0.49 फीसदी की बढ़त पर कारोबार कर रहा है। चांदी की कीमतों में भी उछाल दिखा और इसका वायदा भाव एक बार फिर 56 हजार के करीब पहुंच गया है। एमसीएक्स पर चांदी का वायदा भाव सुबह 363 रुपए बढ़कर 55,950 रुपए प्रति किलोग्राम पहुंच गया। इससे पहले चांदी में ट्रेडिंग की शुरुआत 56,120 रुपए पर खुलकर हुई थी लेकिन मांग में नरमी से कीमतों में कुछ गिरावट आ गई। हालांकि, चांदी अभी अपने पिछले बंद भाव से 0.65 फीसदी चढ़कर कारोबार कर रही है। वै श्विक बाजार में भी सोने-चांदी की कीमतों में उछाल दिख रहा है। अमेरिकी बाजार में सोने का हाजिर मूल्य 1,714.89 डॉलर प्रति औंस रहा जो अपने पिछले बंद भाव से 0.25 फीसदी ज्यादा है। इसी तरह, चांदी का हाजिर भाव भी 18.83 डॉलर प्रति औंस पहुंच गया है। चांदी भी अपने पिछले बंद भाव से 0.44 फीसदी पर कारोबा कर रही थी।

अपैल-जून में फिनटेक स्टार्टअप में आया ज्यादा निवेश: रिपोर्ट

नई दिल्ली । उद्योग संगठन नैसकॉम ने एक रिपोर्ट में कहा है कि वेंचर कैपिटल फर्म सिकोया कैपिटल और टाइगर ग्लोबल की अगुवाई में अप्रैल-जून के दौरान विभिन्न भारतीय स्टार्टअप में 47,870 करोड़ रुपए का निवेश किया गया जिसमें से सर्वाधिक निवेश वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) क्षेत्र में हुआ है। इस रिपोर्ट के मुताबिक तिमाही के दौरान हुए कुल निवेश में फिनटेक कंपनियों के हिस्से में करीब 26 फीसदी निवेश आया, मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र में 19 फीसदी, उद्यम प्रौद्योगिकी में 16 फीसदी, खुदरा प्रौद्योगिकी में 9 फीसदी, एडटेक में 8 फीसदी और हैल्थटेक में 5 फीसदी निवेश आया। इसमें कहा गया कि सिकोया कैपिटल, टाइगर ग्लोबल, अल्फा वेव और एसेल ने विभिन्न क्षेत्रों में छह से अधिक सौदे किए। टाइगर ग्लोबल के कुल निवेश में से 40 फीसदी फिनटेक क्षेत्र में और 20 फीसदी एंटरप्राइज टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में हुए। सिकोया कैपिटल ने उद्यम प्रौद्योगिकी में करीब 25 फीसदी और फिनटेक में 20 फीसदी निवेश किया। अप्रैल-जून तिमाही में केवल चार स्टार्टअप यूनिकॉर्न बने जो हैं नियोबैंकिंग फर्म ओपन, एसएएएस मंच लीडस्क्वेयर्ड, एडटेक स्टार्टअप फिजिक्सवाला और ऑनलाइन ब्यूटी उत्पाद मंच पर्पल। रिपोर्ट के मुताबिक इससे पिछले जनवरी-मार्च तिमाही में 16 यूनिकॉर्न बने थे। अप्रैल-जून 2022 में भारतीय प्रौद्योगिकी स्टार्टअप में निवेश करीब 17 फीसदी गिरकर छह अरब डॉलर रह गया।

लोकसभा में सीतारमण ने कहा, आरबीआई ने की क्रिप्टोकरेंसी पर नियम बनाने की मांग

नई दिल्ली।

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने क्रिप्टोकरेंसी के लिए नियम बनाने की सिफारिश की है। सीतारमण ने कहा कि अगर इस तरह के प्रतिबंध को लागू करना है तो भारत सरकार एक अंतर्राष्ट्रीय सहयोग चाहती है।वित्त ने कहा मंत्री, किसी देश की मौद्रिक और राजकोषीय स्थिरता पर क्रिप्टोकरेंसी के अस्थिर प्रभाव पर आरबीआई द्वारा व्यक्त की गई चिंताओं के मद्देनजर, आरबीआई ने इस क्षेत्र पर कानून बनाने की सिफारिश की है। आरबीआई का विचार है कि क्रिप्टोकरेंसी को प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। वित्त मंत्री ने लोकसभा में कहा कि क्रिप्टोकरेंसी परिभाषा के अनुसार सीमाहीन हैं और नियामक मध्यस्थता को रोकने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, इसलिए विनियमन या प्रतिबंध के लिए कोई भी कानून जोखिम और लाभों के मूल्यांकन और सामान्य वर्गीकरण और मानकों के विकास पर महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के बाद ही प्रभावी हो सकता है। एक सवाल के जवाब में कि क्या आरबीआई ने पिछले दस वर्षों के दौरान भारत में क्रिप्टोकरेंसी जारी करने, खरीदने, बेचने, रखने और परिसंचरण को प्रतिबंधित करने के संबंध में निर्देश, परिपत्र, डायरेक्शन्स, चेतावनी इत्यादि जारी किए हैं, सीतारमण ने कहा, आरबीआई 24 दिसंबर, 2013, 01 फरवरी, 2017 और 05 दिसंबर, 2017 को सार्वजनिक नोटिस के माध्यम से वर्चुअल करेंसी (वीसी) के यूजर्स, धारकों और व्यापारियों को आगाह किया गया था कि वीसी में व्यवहार संभावित आर्थिक, वित्तीय, परिचालन, कानूनी, ग्राहक सुरक्षा और सुरक्षा संबंधी जोखिमों से जुड़ा है। आरबीआई ने 6 अप्रैल, 2018 को एक सकरुलर भी जारी किया था जिसमें उसकी विनियमित संस्थाओं को वर्चुअल करेंसीस (वीसी) में सौदा करने या वीसी से निपटने या निपटाने में किसी भी व्यक्ति या संस्था को सुविधा प्रदान करने के लिए सेवाएं प्रदान करने पर रोक लगाई गई थी। वित्त मंत्री ने आगे कहा, आरबीआई ने उल्लेख किया है कि क्रिप्टोकरेंसी एक मुद्रा नहीं है क्योंकि हर आधुनिक मुद्रा को सेंट्रल बैंक/सरकार द्वारा जारी करने की आवश्यकता होती है। इसके अलावा, फिएट करेंसीस का मूल्य मौद्रिक नीति और कानूनी निविदा के रूप में उनकी स्थिति पर निर्भर करता है, हालाँकि, क्रिप्टोकरेंसी का मूल्य पूरी तरह से उच्च रिटर्न की अटकलों और अपेक्षाओं पर निर्भर करता है जो अच्छी तरह से लंगर नहीं डालते हैं, इसलिए इसका किसी देश की मौद्रिक और राजकोषीय स्थिरता पर एक अस्थिर प्रभाव पड़ेगा।

एलएंडटी आईटी सेवा राजस्व बढ़ाने पर दे रही ध्यान

मुंबई । प्रमुख इंजीनियरिंग कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलऐंडटी) कुल राजस्व में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा एवं तकनीकी सेवा (टीएस) कारोबार से प्राप्त राजस्व का योगदान बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2022 की अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि उसने 2026 तक आईटी एवं टीएस कारोबार से प्राप्त राजस्व का योगदान उच्च दो अंकों तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। एलएंडटी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने शेयरधारकों को लिखे पत्र में कहा है कि आईटी ऐंड टीएस कारोबार पारंपरिक परियोजनाओं और विनिर्माण श्रेणी में मौजूद जोखिम एवं चक्रीयता में संतुलन जारी रखेगा। क्लाउड, डिजिटल, एआई, इंडस्ट्री 4.0 आदि मौजूदा एवं उभरती प्रौद्योगिकी रुझान से निकट भविष्य में वृद्धि को रफ्तार मिलने की उम्मीद है। यह पोर्टफोलियो योजना अवधि के दौरान उच्च दो अंकों में राजस्व वृद्धि का लक्ष्य रखेगा और हमें विलय-अधिग्रहण संबंधी अवसरों के दोहन के लिए सतर्क रहना होगा। आईटी एंड टीएस पोर्टफोलियो में माइंडट्री, एलऐंडटी इन्फोटेक और एलऐंटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज शामिल हैं।

शेयर बाजार भारी उछाल के साथ बंद

मुम्बई ।

मुम्बई शेयर बाजार में सोमवार को भारी उछाल आया। सप्ताह के पहले ही दिन बाजार में यह तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही आईटी, तेल , गैस और बैंकिंग शेयरों में भारी खरीददारी से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 760.37 अंक करीब 1.41 फीसदी की बढ़त के साथ ही 54,521.15 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 229.30 अंक तकरीबन 1.43 फीसदी ऊपर आकर 16,278.50 अंक पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान इंडसइंड बैंक, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, कोटक महिंद्रा बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों को लाभ हुआ। वहीं दूसरी ओर डॉ. रेड्डीज लैब, एचडीएफसी बैंक, मारुति, महिंद्रा एंड महिंद्रा, नेस्ले, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एचडीएफसी के शेयर गिरे हैं। वहीं बाजार जानकारों के अनुसार एशियाई बाजारों में सकारात्मक रुख के कारण आज सुबह घरेलू बाजार बढ़त से खुला। इसके बाद समय के साथ ही यह बढ़ने लगी। दोपहर के कारोबार में आईटी, प्रौद्योगिकी और पूंजीगत सामान बनाने वाली कंपनियों के अलावा आई टी इन्फोसिस, टेक महिंद्रा के शेयरों में खरीदारी से भी बाजार में उत्साह आया । एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग उपर आया। इसके अलावा यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी बढ़त रही।

डिजिटल लेनदेन में धोखाधड़ी में आई कमी

नई दिल्ली। कार्ड/इंटरनेट- एटीएम/डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड और इंटरनेट बैंकिंग श्रेणी के तहत डिजिटल लेनदेन धोखाधड़ी की संख्या 2020-21 में 70,283 से घटकर 2021-22 में 58,111 हो गई है।डिजिटल लेनदेन में धोखाधड़ी पर एक प्रश्न के लिखित उत्तर में, वित्त मंत्रालय ने कहा कि डिजिटल लेनदेन मंच एक अखिल भारतीय मंच है जिसमें कभी भी कहीं भी बैंकिंग की सुविधा है। तदनुसार, डेटा केवल राष्ट्रीय स्तर पर कैप्चर किया जाता है। इसमें कहा गया है कि आरबीआई ने कार्ड लेनदेन सहित डिजिटल भुगतान लेनदेन की सुरक्षा बढ़ाने और धोखाधड़ी को नियंत्रित करने के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें ग्राहकों को प्रदान किए जा रहे लेनदेन की बढ़ी हुई सुरक्षा, शिकायत निवारण तंत्र में दक्षता आदि के संदर्भ में विभिन्न लाभ शामिल हैं। 21 जून 2018 के एटीएम के लिए नियंत्रण उपाय- अनुपालन के लिए समयसीमा पर परिपत्र में बैंकों को सलाह दी गई है कि वे विभिन्न नियंत्रण उपायों को एक समयबद्ध तरीके से लागू करें, जिसमें एंटी-स्किमिंग, व्हाइट लिस्टिंग समाधान, सॉफ्टवेयर का उन्नयन और अनुपालन की बारीकी से निगरानी करें। इसके अलावा, भारतीय रिजर्व बैंक सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग पर आरबीआई कहता है के बैनर तले जागरूकता अभियान चला रहा है, जिसमें एसएमएस के माध्यम से प्राप्त पासवर्ड/पिन/ओटीपी साझा न करने जैसी पहल, लेन-देन पर प्राप्त अलर्ट पर तेजी से कार्रवाई करना जिसे ग्राहक ने शुरू नहीं किया है या अधिकृत नहीं किया है, सुरक्षित मोबाइल बैंकिंग का अभ्यास करना, महत्वपूर्ण बैंकिंग डेटा को मोबाइल में संग्रहीत न करना और केवल सत्यापित, सुरक्षित और विश्वसनीय वेबसाइट का उपयोग करना शामिल है।

अनाज, दाल, आटा सहित 25 किलो से अधिक वजन के खाद्य वस्तु पैकेट को पांच फीसदी छूट

नई दिल्ली ।

खाने की वस्तुओं के बिना ब्रांड वाले, पहले से पैक तथा लेबल वाले खाद्य पदार्थ जैसे आटा, दालें और अनाज के ऐसे पैकेटों को पांच फीसदी माल एवं सेवा कर (जीएसटी) से छूट मिलेगी जिनका वजन 25 किलो से अधिक है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने रविवार देर रात को कई सवाल-जवाब जारी किए जिनमें कई शंकाओं का समाधान किया गया और स्पष्टीकरण दिया गया है। एफएक्यू में कहा गया कि पांच फीसदी जीएसटी पहले से पैक उन्हीं वस्तुओं पर लगेगा ` जिनका वजन 25` किलो तक है। हालांकि खुदरा व्यापार विनिर्माता या वितरक से 25 किलो पैक सामान लाकर उसे खुले में बेचता है तो इस पर जीएसटी नहीं लगेगा। पिछले हफ्ते सरकार ने अधिसूचित किया था कि 18 जुलाई से बिना ब्रांड वाले और पहले से पैक तथा लेबल वाले खाद्य पदार्थों पर पांच फीसदी जीएसटी लगेगा। इससे पहले तक केवल ब्रांडेड सामान पर ही जीएसटी लगाया जाता था। इसमें कहा गया ` कि यह स्पष्ट किया जाता है कि अनाज, दालें और आटा के एक-एक पैकेट जिनका वजन 25 किलोग्राम या लीटर से अधिक है वे पहले से पैक एवं लेबल वाली वस्तुओं की श्रेणी में नहीं आएंगे, अत- इन पर जीएसटी नहीं लगेगा। सीबीआईसी ने कहा है कि खुदरा बिक्री के लिए पहले से पैक आटे के 25 किलोग्राम के पैकेट की आपूर्ति पर जीएसटी लगेगा। हालांकि इस तरह का 30 किलो का पैकेट जीएसटी के दायरे से बाहर होगा। बोर्ड ने यह बताया कि उस पैकेज पर जीएसटी लगेगा जिसमें कई खुदरा पैक होंगे। उसने उदाहरण दिया कि 50 किलो वाले चावल के पैकेज को पहले से पैक और लेबल वाला सामान नहीं माना जाएगा और इस पर जीएसटी नहीं लगेगा। एएमआरजी एंड एसोसिएट्स में एक वरिष्ठ साझेदार ने कहा कि इस कर से चावल और अनाज जैसी बुनियादी खाद्य वस्तुओं की मूल्य आधारित मुद्रास्फीति बढ़ जाएगी।

शीर्ष 10 अमीरों की सूची में चौथे स्थान पर पहुंचे अडानी

अडानी ने 112.6 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ बिल गेट्स को छोडा पीछे

मुंबई ।

दुनिया के शीर्ष अरबपतियों की सूची में भारतीय कारोबारी गौतम अडानी शीर्ष 10 अमीरों की सूची में एक पायदान आगे बढ़कर चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। फोर्ब्स की रियल टाइम सूची के मुताबिक अडानी 112.6 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ माइक्रोसॉफ्ट के बिल गेट्स को पीछे छोड़ चुके हैं। पांचवें नंबर पर खिसके गेट्स की नेट वर्थ कम होकर अब 103 अरब डॉलर रह गई है। शीर्ष 10 अरबपतियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने एक बार फिर प्रवेश किया है। वे इस सूची में 10वें नंबर पर हैं। उनकी संपत्ति 87.1 अरब डॉलर है। अब गौतम अडानी और मुकेश अंबानी की संपत्ति में फासला काफी बढ़ गया है। इस सूची में 230.4 अरब डॉलर नेटवर्थ के साथ टेस्ला के सीईओ एलन मस्क दुनिया के सबसे अमीर हैं। वहीं फ्रांस के अरबपति बर्नार्ड अर्नाल्ट 148.4 अरब डॉलर के साथ दूसरे और अमेजॉन के जेफ बेजोस 139.2 अरब डॉलर के साथ तीसरे स्थान हैं। लैरी एलिसन 97.3 अरब डॉलर नेट वर्थ के साथ छठे नंबर पर हैं। दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे 96.9 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ सातवें पायदान पर हैं। लैरी पेज 96.7 अरब डॉलर के साथ आठवें सबसे अमीर इंसान हैं, जबकि सर्गेई ब्रिन 93 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ नौंवे नंबर पर हैं।

फेसबुक के फाउंडर मार्क जुकरबर्ग 20वें नंबर पर हैं। जुकरबर्ग की नेटवर्थ कम होकर 59.3 अरब डॉलर रह गई है।

कच्चा तेल 100 डॉलर के नीचे, आयात भी होगा सस्ता

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई है। दूसरी कमोडिटीज की कीमतों में भी गिरावट आई है। इससे आने वाले दिनों में आयात सस्ता होने की उम्मीद है। अगर ऐसा होता है तो इससे देश में महंगाई से राहत मिल सकती है। आरबीआई का भी कहना है कि अगर कमोडिटीज की कीमत में नरमी बनी रहती है और सप्लाई-चेन का दवाब कम होता है तो आने वाले दिनों में महंगाई से पीछा छूट सकता है। अभी अमेरिका और यूरोप के कई देशों में महंगाई चरम पर है। भारत में भी महंगाई इस साल जनवरी से ही आरबीआई की तय सीमा से ऊपर बनी हुई है। महंगाई से निपटने के लिए आरबीआई ने हाल में दो किस्तों में रेपो रेट में 90 बेसिस पॉइंट्स की बढ़ोतरी की थी। अगर महंगाई में कमी आती है तो आने वाले दिनों में ईएमआई में भी राहत मिल सकती है। आरबीआई ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा कि है कि सबसे बड़ी राहत की बात यह है कि महंगाई अपने चरम स्तर से थोड़ा नीचे आई है। हालांकि यह अब भी उच्च स्तर पर बनी हुई है। केंद्रीय बैंक का कहना है कि हाल के दिनों में कमोडिटीज की कीमत में गिरावट आई है। अगर यह स्थिति आगे भी जारी रहती है और इसके साथ ही सप्लाई-चेन की समस्याएं कम होती हैं तो महंगाई का चरम दौर पीछे छूट जाएगा। इससे भारतीय इकॉनमी वैश्विक महंगाई के मकड़जाल में फंसने से बच सकती है।

वेदांत की वार्षिक आम बैठक 10 अगस्त को होगी

मुंबई ।

धातु एवं खनन क्षेत्र की प्रमुख वेदांत वित्त वर्ष 2023 के दौरान कंपनी की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) 10 अगस्त को होगी और उसके एजेंडे में तीन प्रस्तावों को शामिल किया गया है। इन प्रस्तावों में भारत एल्युमीनियम कंपनी (बाल्को) के साथ 4,984 करोड़ रुपए का एक संबंधित पक्ष का सौदा शामिल है। बाल्को में वेदांत की 51 फीसदी हिस्सेदारी है। इस लेनदेन के तहत वित्त वर्ष 2023 के दौरान वस्तुओं एवं सेवाओं, स्टोरों, कलपुर्जों और अचल संपत्तियों की बिक्री शामिल है। संबंधित पक्ष के लेनदेन के अन्य दो प्रस्तावों में ईएलएल स्टील के साथ 1,712 करोड़ रुपए और स्टरलाइट पावर ट्रांसमिशन के साथ 1,965 करोड़ रुपए का सौदा शामिल है। वेदांत ने कहा है कि ये लेनदेन कारोबार में तालमेल बिठाते हुए व्यापक लाभ उठाने के लिए आवश्यक हैं और एक स्वतंत्र मूल्यांकनकर्ता द्वारा इसका मूल्यांकन भी किया गया है। वेदांत ने कहा है कि तालमेल और पैमाने की अर्थव्यवस्थाओं को प्राप्त करने के लिए इन लेनदेन की आवश्यकता है, और एक स्वतंत्र मूल्यांकनकर्ता द्वारा इसका मूल्यांकन किया गया है। कंपनी ने कहा कि सौदों को आगे बढ़ाने के लिए कंपनी को अपनी ऑडिट कमेटी से भी मंजूरी मिल गई है।पिछले साल भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कंपनी को ऑडिट समिति की पूर्व स्वीकृति के बिना 1,407 करोड़ रुपए के संबंधित पक्ष के लेनदेन के लिए चेतावनी जारी की थी। कंपनी के स्वतंत्र ऑडिटर और सेक्रेटेरियल ऑडिटर ने वित्त वर्ष 2011 के लिए कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में इस मुद्दे को हरी झंडी दी थी।

इंग्लैंड में सीरीज जीतने का भारत को हुआ जबरदस्त फायदा, वनडे रैंकिंग में पाकिस्तान को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत और इंग्लैंड के बीच हाल में तीन एकदिवसीय मुकाबलों के श्रृंखला खेली गई थी। भारत ने इस श्रृंखला को 2-1 से जीत लिया। इस जीत से भारत को जबरदस्त फायदा हुआ है। भारत अब वनडे रैंकिंग में तीसरे नंबर पर पहुंच गया है। भारत ने चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान को पीछे छोड़ा है। भारत फिलहाल 109 रेटिंग और 2725 अंक के साथ वनडे रैंकिंग में तीसरे पायदान पर है। नंबर एक पर अभी भी न्यूजीलैंड की टीम बरकरार है। न्यूजीलैंड के खाते में 128 से रेटिंग है। वहीं इंग्लैंड दूसरे स्थान पर काबिज है जिसके पास 121 रेटिंग है। पाकिस्तान के पास फिलहाल 106 रेटिंग है और अंक उसके पास 2005 है। भारत के पास पाकिस्तान से 3 रेटिंग ज्यादा है।

भारत के पास एकदिवसीय रैंकिंग में अपनी स्थिति को और मजबूत करने का एक अच्छा मौका भी आने वाला है। दरअसल, वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत को तीन मैचों की सीरीज खेलनी है। इस सीरीज में कई कई दिग्गज खिलाड़ियों को आराम दिया गया है और टीम की कप्तानी शिखर धवन करेंगे। वेस्टइंडीज में भारत तीन वनडे मुकाबला खेलेगा। इस सीरीज में उप कप्तानी रविंद्र जडेजा करेंगे। विराट कोहली, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ियों को आराम दिया है। वहीं, अगर बात पाकिस्तान की करे तो उसे अगले महीने नीदरलैंड के खिलाफ खेलना है। ऐसे में पाकिस्तान भी वहां अपनी बढ़त को बरकरार रखने की कोशिश करेगा।

इंग्लैंड को पांच विकेट से हराकर श्रृंखला जीती

भारत ने हार्दिक पंड्या के हरफनमौला प्रदर्शन और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत (नाबाद 125) के पहले वनडे शतक की बदौलत निर्णायक वनडे में इंग्लैंड को पांच विकेट से हराकर श्रृंखला 2-1 से अपने नाम की। भारत ने पहला वनडे 10 विकेट से जीता था जबकि दूसरे वनडे में इंग्लैंड ने 100 रन की जीत से बराबरी हासिल की थी। पंड्या ने पहले 24 रन में चार विकेट झटककर अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और फिर 71 रन की अर्धशतकीय पारी

खेली जिसमें 10 चौके जड़े थे। पंत ने 113 गेंद में 16 चौके और दो छक्के लगाये। जिसमें उन्होंने 42वें ओवर में डेविड विली पर लगातार पांच चौके भी जड़े। भारत ने बल्लेबाजी का न्योता देने के बाद पंड्या के चार विकेट और अनुशासित गेंदबाजी से इंग्लैंड को 45.5 ओवर में 259 रन पर समेटने के बाद यह लक्ष्य 42.1 ओवर में हासिल कर लिया।

एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप: शेली ऐन फेंजर प्राइस 100 मीटर में 10.67 सैकेड का समय निकाल जीता गोल्ड

यूजीन (एजेंसी)।

जमैका ने शीर्ष धावक शेली-ऐन फेंजर-प्राइस की अगुवाई में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप की 100 मीटर स्प्रिंट स्पर्धा में क्लीन स्वीप किया। शेली-ऐन ने 10.67 (0.8 मीटर प्रति सेकंड) के चैंपियनशिप रिकॉर्ड समय के साथ विश्व ऐथलेटिक्स चैंपियनशिप में 100 मीटर स्प्रिंट का खिताब जीता, जबकि उनकी हमवतन शेरिका जैकसन ने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ 10.73 सेकंड में स्प्रिंट पूरी करके रजत पदक प्राप्त किया। जमैका की ही 5 बार की ओलिम्पिक चैम्पियन इलेन थॉम्पसन-हेराह ने 10.81 सेकंड के समय के साथ कांस्य पदक हासिल किया। ओरेगन में स्वर्ण जीतने के साथ शेली-ऐन एक ही दौड़ स्पर्धा में पांच विश्व खिताब जीतने वाली पहली एथलीट बन गईं। 35 वर्षीय शेली-ऐन 20 बार की वैश्विक मैडलिस्ट बन गई हैं, जिसमें से 13 बार उन्होंने स्वर्ण हासिल किया है। उनके पास 200 मीटर और 43100 मीटर प्रतियोगिता में जीत दर्ज कर अपने पदकों में इजाफा करने का मौका है।

बेन स्टोक्स ने वनडे क्रिकेट से रिटायरमेंट का किया ऐलान, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलेंगे अपना आखिरी मैच

मुंबई (एजेंसी)।

इंग्लैंड के शानदार ऑलराउंडर और जबरदस्त खिलाड़ी बेन स्टोक्स ने चौंकाने वाला फैसला लेते हुए एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। इंग्लैंड के लिए कई मौकों पर अहम पारी खेलने वाले बेन स्टोक्स ने महज 31 साल की उम्र में ही एकदिवसीय मैचों से सन्यास की घोषणा कर दी है। बताया जा रहा है कि 19 जुलाई को बेन स्टोक साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपना आखिरी एकदिवसीय मुकाबला खेलेंगे। इंग्लैंड को पहला विश्व कप जिताने में भी बेन स्टोक्स का काफी योगदान रहा है। 2019 के विश्वकप फाइनल मुकाबले में बेन स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 84 रनों की पारी खेली थी और मैच को सुपर ओवर तक ले गए थे। इसके बाद इंग्लैंड अपना पहला विश्वकप खिताब जीता था और बेन स्टोक प्लेयर ऑफ द मैच बने थे।

रोहित इंग्लैंड में एकदिवसीय सीरीज जीतने वाले तीसरे भारतीय कप्तान बने

मैनचेस्टर (एजेंसी)।

ऋषभ पंत के शानदार शतक से भारतीय टीम ने मेजबान इंग्लैंड को यहां तीसरे और अंतिम एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में पांच विकेट से हराकर तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 2-1 से जीत ली है। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने भी एक रिकार्ड बनाया है। रोहित इंग्लैंड में एकदिवसीय सीरीज जीतने वाले तीसरे भारतीय कप्तान बने हैं। इससे पहले इंग्लैंड में एकदिवसीय श्रृंखला जीतने वाले अन्य दो भारतीय कप्तान हैं मोहम्मद अजहरुद्दीन और महेन्द्र सिहं धोनी। अजहरुद्दीन की कप्तानी में भारत ने 1990 में दो मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में

इंग्लैंड को 2-0 से हराया था। वहीं धोनी की कप्तानी में 2014 में भारत ने इंग्लैंड को पांच मैचों की एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में 3-1 से हराया था।

तीसरे मैच की बात करें तो भारतीय टीम ने टॉस जीतकर मेजबान इंग्लैंड को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। हार्दिक पांड्या और युजवेंद्र चहल की शानदार गेंदबाज से भारतीय टीम ने मेजबानों को 259 रनों पर ही आउट कर दिया। हार्छिक ने चार जबकि चहल ने तीन विकेट लिए। इसके बाद 260 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। रीस टोपले की शानदार गेंदबाजी से भारत के एक समय चार विकेट पर 72 रन ही बने थे पर फिर पांड्या और ऋषभ ने पांचवे विकेट के लिए 133 रनों की साझेदारी कर भारतीय टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। ऋषभ 125 रन बनाकर नाबाद रने। वहीं इससे पहले इंग्लैंड की आरे से जोस बटलर ने 60, जेसन रॉय ने 41 और मोइन अली ने 34 रन बनाकर अपनी टीम को एक अच्छे स्कोर तक पहुंचाया था।

भारतीय महिला हॉकी टीम राष्ट्रमंडल खेलों के लिए हुई रवाना

बार्सिलोना। भारतीय महिला हॉकी टीम सोमवार सुबह बार्सिलोना से इंग्लैंड की राजधानी लंदन के लिए रवाना हो गई। टीम लंदन से नॉटिंघम जाएगी जहां वह 23 जुलाई को बर्मिंघम रवाना होने से पहले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए अभ्यास करेगी। भारत एक जुलाई से 17 जुलाई के बीच खेले गए एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप 2022 में चीन के साथ नौवे स्थान पर रहा था। टीम की कप्तान सविता पूनिया ने कहा कि वह राष्ट्रमंडल खेलों में इस फॉर्म को बदलने के लिये तत्पर हैं। उन्होंने कहा, 'दुर्भाग्यवश हम एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप स्पेन एवं नीदरलैंड 2022 में अपनी क्षमता के अनुसार नहीं खेल सके, लेकिन हम राष्ट्रमंडल खेलों में अपनी फॉर्म को बदलने के लिये तत्पर हैं। हमारे पास अनुभवी और युवा खिलाड़ियों के संतुलन के साथ एक बेहतरीन स्क्वाड है। हम राष्ट्रमंडल खेलों में अपने पिछले प्रदर्शन को पीछे छोड़कर शुरुआत करेंगे और मुझे यकीन है कि हम प्रतियोगिता की बेहतरीन टीमों का मुकाबला कर सकेंगे।' सविता ने कहा, 'हमें अपने खेल के कुछ पहलू सुधारने की ज़रूरत है और हम राष्ट्रमंडल खेलों से पहले उसपर ध्यान देंगे। मुझे लगता है कि हम अच्छा खेल रहे हैं, लेकिन अपने खेल में कुछ बदलाव करके हम नियमितता के साथ मैच जीत सकें।' भारतीय महिला हॉकी टीम बर्मिंघम में होने वाले राष्ट्रमंडल खेल 2022 में 29 जून को अपने पहले मुकाबले में घाना का सामना करेगी।

ऋषभ इंग्लैंड में टेस्ट और एकदिवसीय में शतक लगाने वाले पहले एशियाई विकेटकीपर-बल्लेबाज बने

मैनचेस्टर । भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम एकदिवसीय मैच में 125 रनों की नाबाद शतकीय पारी खेलने के साथ ही एक नया रिकार्ड भी बनाया है। अपनी इस पारी के साथ ही ऋषभ इंग्लैंड की धरती पर टेस्ट और एकदिवसीय दोनों में शतक लगाने वाले पहले एशियाई विकेटकीपर-बल्लेबाज बने हैं। ऋषभ ने अपनी पारी के दौरान कुल 113 गेदों में 16 चौकों तथा 2 छक्कों की मदद से 110.62 की स्ट्राइक रेट से नाबाद 125 रन बनाये। इसी के साथ यह विकेटकीपर बल्लेबाज एकदिवसीय प्रारुप में एशिया के बाहर शतक लगाने वाले राहुल द्रविड़ और लोकेश राहुल के क्लब में शामिल हो गए हैं। ऋषभ के शतक से ही भारतीय टीम इस मैच में जीत दर्ज करने में सफल रही।

भारत के खिलाफ वनडे श्रृंखला के लिए वेस्टइंडीज टीम का ऐलान, इस धमाकेदार खिलाड़ी की वापसी

पोर्ट आफ स्पेन (एजेंसी)।

भारत के खिलाफ 22 जुलाई से यहां शुरू हो रही तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए वेस्टइंडीज की 13 सदस्यीय टीम का ऐलान किया गया है। इस टीम में पूर्व कप्तान जेसन होल्डर की वापसी हुई है। यह अनुभवी आलराउंडर बांग्लादेश के खिलाफ पिछली घरेलू टी20 श्रृंखला में वेस्टइंडीज की टीम का हिस्सा नहीं था लेकिन क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) के चयन पैनल ने उन्हें भारत के खिलाफ श्रृंखला के लिए टीम में वापस बुलाने का फैसला किया।

बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बाद निकोलस पूरन टीम की अगुवाई करना जारी रखेंगे। वेस्टइंडीज को बांग्लादेश ने

एकदिवसीय श्रृंखला में 0-3 से हराया लेकिन पूरन ने तीसरे टी20 में 39 गेंद में 74 रन बनाए। उन्होंने तीसरे एकदिवसीय में भी 73 रन की पारी खेली। शाई होप टीम के उप-कप्तान होंगे।

सीडब्ल्यूआई ने एक बयान में मुख्य चयनकर्ता डेसमंड हेन्स के हवाले से कहा, 'जैसा कि हम सभी जानते हैं जेसन दुनिया के अग्रणी ऑलराउंडर में से एक है और उसे टीम में वापस शामिल करने की हमें खुशी है।' उन्होंने कहा, 'वह तरोताजा, ऊर्जावान और फिर से मैदान पर उतरने को तैयार होगा और हम मैदान पर उसकी प्रतिभा और मैदान के बाहर भी उसके सार्थक योगदान की उम्मीद कर रहे हैं।'

बांग्लादेश के खिलाफ हार के बाद हेन्स को उम्मीद है कि उनकी टीम भारत के खिलाफ चीजों को बदलने में सफल होगी।गयाना में बांग्लादेश के खिलाफ हमारे तीन मैच बहुत चुनौतीपूर्ण थे इसलिए जब हम त्रिनिदाद की परिस्थितियों में भारत का सामना करेंगे तो हम वापसी करना चाहेंगे। भारत के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैच 22, 24 और 27 जुलाई को क्रीस पार्क ओवल में खेले जाएंगे।

टीम इस प्रकार है : निकोलस पूरन (कप्तान), शाई होप, शेमार ब्रूक्स, कीसी कार्टी, जेसन होल्डर, अकील हुसैन, अल्जारी जोसेफ, ब्रैंडन किंग, काइल मायर्स, गुडाकेश मोती, कीमो पॉल, रोवमैन पॉवेल और जेडन सील्स।

बील मास्टर्स शतरंज - गुकेश ने रचा इतिहास लिम को हराकर 2700 के पार

बील, स्विट्जरलैंड । भारत के 16 वर्षीय ग्रांड मास्टर डी गुकेश नें आखिरकार इतिहास रचते हुए 2700 फीडे रेटिंग अंक हासिल कर ली है । बेल मास्टर्स क्लासिकल शतरंज के तीसरे राउंड में उन्होने एशिया के दिग्गज खिलाड़ी माने जाने वाले वियतनाम के ले कुयांग लिम को काले मोहरो से पराजित करते हुए अपनी रेटिंग को 2704 अंको तक पहुंचा दिया है और ऐसा करने वाले भारत के सबसे कम उम्र के तो दुनिया के तीसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए है । गुकेश अब विश्व रैंकिंग में 33 वे स्थान पर पहुँच गए है और विश्वनाथन आनंद (2756) , हरीकृष्णा (2720) और विदित गुजराती (2714) के बाद चौंथे नंबर के भारतीय खिलाड़ी बन गए है । गुकेश नें लिम के खिलाफ क्यूजीडी ओपनिंग में शानदार खेल दिखाया और विरोधी राजा पर जोरदार आक्रमण के साथ 49 चालों मे जीत हासिल की । फिलहाल तीन राउंड के नाद गुकेश 2.5 अंको के साथ सबसे आगे चल रहे है ।

कोविड पॉजिटिव पाए जाने के बाद आइसोलेशन में न्यूजीलैंड की हरफनमौला अमेलिया कर

लंदन। न्यूजीलैंड की हरफनमौला अमेलिया कर इंग्लैंड के दौरे पर कोविड पॉजिटिव पाई गई हैं। 28 जुलाई से शुरू होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए न्यूजीलैंड की टीम इंग्लैंड पहुंची है। शनिवार को हुए टीम सदस्यों के हुए रैपिड एंटीजन टेस्ट में कर पॉजिटिव पाई गई हैं। 21 वर्षीय कर अब टीम होटल में आइसोलेशन में चली गई हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने मीडिया को दिए बयान में बताया है कि पूरे दल में केवल कर ही संक्रमित हुई हैं जबकि बाकी सदस्यों पर निगाहें बनी रहेंगी और जरूरत पड़ने पर टेस्ट होंगे। न्यूजीलैंड का दल 12 जुलाई को इंग्लैंड पहुंचा था। न्यूजीलैंड को अपना पहला मैच 30 जुलाई को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलना है। लेकिन बर्मिंघम जाने से पहले समरसेट के मिलफील्ड स्कूल में उनका एक सप्ताह का और ट्रेनिंग सत्र होगा, जिसमें इंग्लैंड ए के खिलाफ दो अभ्यास मैच शामिल हैं। कर न्यूजीलैंड टीम का अहम हिस्सा हैं, जहां उन्होंने 41 टी20 अंतरराष्ट्रीय में 5.94 की इकॉनमी से 41 विकेट लिए हैं और 24 पारियों में 234 रन बनाए हैं। महिला क्रिकेट राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार शामिल किया गया है जबकि कुल मिलाकर यह दूसरा मौका है जब क्रिकेट राष्ट्रमंडल खेलों का हिस्सा होगा। इससे पहले कुआलालम्पुर में 1998 में हुए राष्ट्रमंडल खेलों में क्रिकेट हिस्सा था जहांदक्षिण अफ्रीका की पुरुष टीम ने स्वर्ण पदक जीता था।

विश्व चैंपियनशिप में होगा कड़ा मुकाबला, ये है लक्ष्य : नीरज चोपड़ा

इंदौर (मध्यप्रदेश) (एजेंसी)।

नई दिल्ली = अमरीका के यूजीन में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उतरने की तैयारी कर रहे ओलंपिक चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने सोमवार को कहा कि इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में मुकाबला काफी कड़ा होगा क्योंकि कम से कम छह खिलाड़ी लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और 89 मीटर के आंकड़े को पार कर रहे हैं। टोक्यो ओलंपिक चैंपियन चोपड़ा ने साथ ही कहा कि इस साल उनका लक्ष्य 90 मीटर के आंकड़े को पार करना है जिसके वह डाइमंड लीग के दौरान काफी करीब पहुंचे थे।

विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के लिए अमरीका के यूजीन में मौजूद चोपड़ा का इस सत्र में प्रदर्शन शानदार रहा है। इस स्टार खिलाड़ी ने दो बार अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में सुधार किया है। उन्होंने 14 जून को फिनलैंड में पावो नुर्मी खेलों में 89.30 मीटर और 30 जून को प्रतिष्ठित स्टॉकहोम डायमंड लीग प्रतियोगिता में 89.94 मीटर दूर भाला फेंका जिससे वह महज छह सेंटीमीटर से 90 मीटर की दूरी हासिल करने से चूक गए।

चोपड़ा डाइमंड लीग में ग्रेनेडा के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स के बाद दूसरे स्थान पर रहे। पीटर्स ने 90.31 मीटर के प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता। टोक्यो ओलंपिक चैंपियन चोपड़ा ने 21 जुलाई को क्वालीफाइंग दौर के साथ शुरू हो रही विश्व चैंपियनशिप की भाला फेंक स्पर्धा में चुनौती के बारे में कहा, 'विश्व चैंपियनशिप में मुकाबला काफी कड़ा होने वाला है। छह खिलाड़ी लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और 89 मीटर से अधिक की दूरी तक भाला फेंक रहे हैं। इस बार मुकाबला काफी रोमांचक होगा।'

उन्होंने कहा, 'मैंने इस साल 90 मीटर से अधिक का थ्रो करने का लक्ष्य बनाया है और डाइमंड लीग में मैं सिर्फ छह सेंटीमीटर से इसे हासिल करने से चूक गया था। उम्मीद है कि मैं इस साल इस लक्ष्य को हासिल कर लूंगा। मैं हालांकि जब किसी प्रतियोगिता में उतरता हूं तो किसी लक्ष्य के साथ नहीं उतरता। मेरा पूरा ध्यान सिर्फ अपना शत प्रतिशत देने पर होता है। मैं हमेशा इसी मानसिकता के साथ उतरता हूं और अपने प्रयास में पूरी ऊर्जा झोंकना चाहता हूं।'

चोपड़ा डाइमंड लीग में भले ही पीटर्स से पिछड़ गए हों लेकिन वह पावो नुर्मी खेलों और फिनलैंड में ही कुओर्तने खेलों में पीटर्स को पछाड़ चुके हैं। विश्व चैंपियनशिप में पीटर्स और चोपड़ा के अलावा ओलंपिक रजत पदक विजेता याकुब वाडलेच (सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 90.88 मीटर), जर्मनी के जूलियन वेबर (89.54 मीटर), त्रिनिदाद एवं टोबैगो के 2012 ओलंपिक चैम्पियन केशोर्न वॉलकॉट (89.07 मीटर) और फिनलैंड के ओलिवर हेलांडर (89.83 मीटर) पदक के दावेदारों में शामिल हैं।

विश्व चैंपियनशिप की तैयारी के बारे में पूछने पर चोपड़ा ने यूजीन से कहा, 'मेरी तैयारी काफी अच्छी चल रही और मैं एक बार फिर अपना शत प्रतिशत देने के लिए तैयार हूं। हम सभी को ओरेगन विश्वविद्यालय में ठहराया गया है और हम अलग स्टेडियम में ट्रेनिंग कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'यहां का माहौल काफी अच्छा है। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ एथलीट यहां मौजूदा हैं। जिम और स्टेडियम में जब कोई विश्व और ओलंपिक रिकॉर्ड धारक मिलता है तो उनसे काफी प्रेरणा मिलती हैं।'

चोपड़ा ने कहा कि उनका ध्यान सिर्फ अपने प्रदर्शन पर है और वह स्व्यं से बेहतर बनने के लिए ही प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'खेल में उतार चढ़ाव लगे रहते हैं। कभी आप अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हो तो कभी इससे बेहतर भी करते हो। कभी कभी आप अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तक नहीं पहुंच पाते। जब प्रदर्शन अच्छा नहीं होता तो ट्रेनिंग में और कड़ी मेहनत करता हूं। मेरी प्रतिस्पर्धा अपने आप से है और मैं अपने से बेहतर बनने का प्रयास करता हूं।'

चोपड़ा के प्रेरणास्रोत और भाला फेंक के विश्व रिकॉर्ड धारक चेक गणराज्य के यान जेलेनी भी यूजीन में मौजूद हैं और यह भारतीय खिलाड़ी उनसे मिलकर काफी खुश हूं। उन्होंने कहा, 'यान जेलेनी भी यहां मौजूद हैं। मैं दो बार उनसे मिल चुका हूं। वह विश्व रिकॉर्ड धारक हैं और मेरे पसंदीदा खिलाड़ी हैं। उनसे मुझे काफी प्रेरणा मिलती है।' चोपड़ा ने खेल पोशाक और सामान बनाने वाली कंपनी अंडर आर्मर के साथ करार किया है और वह इसी घोषणा के लिए मीडिया से मुखातिब थे।

अंडर आर्मर के प्रबंध निदेशक तुषार गोकुलदास ने कहा कि उन्होंने चोपड़ा के ओलंपिक चैंपियन बनने से काफी पहले ही सोच लिया था कि वह भारत में उनके ब्रांड का चेहरा होंगे। तुषार ने कहा, 'मुझे नीरज के हमारी कंपनी के साथ जुड़ने की घोषणा करने की काफी खुशी हो रही है। यह लंबा करार होगा। आप विश्वास नहीं करेंगे कि नीरज के ओलंपिक चैंपियन बनने से काफी पहले ही 2018 में जब हम भारत में कंपनी के विस्तार की योजनाएं बना रहे थे तो मैंने सोच लिया था कि देश में वही हमारे ब्रांड का चेहरा होंगे।'

वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान दिनेश रामदीन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा

एंटिगुआ। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश रामदीन ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से सन्यास लेने की घोषणा की। वह फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे। रामदीन ने इंस्टाग्राम का रुख करते हुए कहा, 'मैं बेहद खुशी के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से अपने संन्यास की घोषणा करना चाहता हूं। पिछले 14 साल एक सपने के सच होने जैसे थे। मैंने त्रिनिदाद एवं टोबैगो और वेस्टइंडीज के लिए क्रिकेट खेलकर अपने बचपन के सपने को पूरा किया। मेरे करियर ने मुझे दुनिया घूमने, भिन्न संस्कृतियों से दोस्त बनाने, और अपनी पहचान पर गर्व करने का अवसर दिया।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अपने बच्चों को बाहरी दुनिया में रहने के लिए ट्रेनिंग दें। क्योंकि चाहे चिड़ियां को उड़ना सिखाना नहीं पड़ता हो, फिर भी मां बच्चों को उड़ने की ट्रेनिंग दिया करती है। कभी अपने घर के आंगन में अपने बच्चों को उड़ना सिखाती चिड़िया को देखें तो आपको एहसास होगा कि उड़ने की कला उन्हें प्रकृति से मिली जरूर है, लेकिन कौशल उन्हें खुद ही हासिल करना होता है। देखें आप अपने बच्चे को कैसे आत्मविश्वासी और आत्म-निर्भर बना सकते हैं।

बच्चों को भविष्य के लिए इस तरह से करें तैयार

प्रवीर और मृदुल इत्तेफाक से रूममेट बन गए। मृदुल की मां कॉर्पोरेट सेक्टर में काम करती है, इसलिए उसका परिवेश एकदम ही अलग है। दूसरी और प्रवीर की मां सरकारी दफ्तर में काम करती है इसलिए उसका परिवेश मृदुल से कुछ अलग था। एक तरफ मृदुल हर तरह से आत्म-निर्भर और आत्मविश्वासी है तो दूसरी तरफ प्रवीर हर चीज को टालता रहता है। शुरुआत में दोनों को एक-दूसरे के साथ एडजस्ट होने में बहुत दिक्कतें पेश आईं। मृदुल क्या पहनना है से लेकर पिकनिक पर कहां जाना है और शाम को क्या सब्जी बनाने से लेकर बुक-शॉप से कौन-सी बुक खरीदनी है, जैसे सारे निर्णय स्वयं लेता है तो दूसरी तरफ प्रवीर को हर तरह का निर्णय लेने में दूसरों की जरूरत लगती है। वजह.स्पष्ट है-मृदुल को बचपन से ही निर्णय लेने के लिए प्रेरित भी किया और निर्णय लेने भी दिया गया। प्रवीर को हमेशा ही बच्चा कहा गया और हर उस अवसर से उसे दूर रखा गया, जहां विकल्पों में से चुनाव करना था। अक्सर हम बच्चों के बड़े होने के दौरान ही उन्हें निर्णय लेने की क्रिया से वंचित करते चलते हैं और फिर जब वे बड़े हो जाते हैं तब एकाएक उन्हें कहने लगते हैं कि अब बड़े हो गए हो, अपने निर्णय खुद ही करो। उस पर जब उनका निर्णय गलत सिद्ध होता है तब हम उन्हें ही दोष देने लगते हैं कि इतने बड़े हो गए, लेकिन अब तक यह समझ नहीं आया कि अपने लिए क्या सही है और क्या गलत है?

बच्चों को अपने पैरों पर खड़ा होने देना सिर्फ एक कहावत नहीं है, बल्कि उन्हें हर तरह से आने वाले जीवन और हकीकतों के सामने खड़े होने और लड़ने की कूव्वत देना है। इस मामले में एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि जब बच्चे घर से बाहर पढ़ने के लिए जाते हैं तब लड़कियां लड़कों की तुलना में जल्दी एडजस्ट कर लेती है। हो सकता है इसके सामाजिक कारण भी हो, लेकिन एक बात यह भी है कि बहुत सारे मामलों में लड़कियां ज्यादा लचीली होती है और दूसरे घर के छोटे-मोटे कामों में मां का हाथ बंटाते-बंटाते वह कब आत्मविश्वास पा लेती है, इसका उन्हें खुद भी ज्ञान नहीं होता है। अपने बच्चों को बाहरी दुनिया में रहने के लिए ट्रेनिंग दें। क्योंकि चाहे चिड़ियां को उड़ना सिखाना नहीं पड़ता हो, फिर भी मां बच्चों को उड़ने की ट्रेनिंग दिया करती है। कभी अपने घर के आंगन में अपने बच्चों को उड़ना सिखाती चिड़िया को देखें तो आपको एहसास होगा कि उड़ने की कला उन्हें प्रकृति से मिली जरूर है, लेकिन कौशल उन्हें खुद ही हासिल करना होता है। देखें आप अपने बच्चे को कैसे आत्मविश्वासी और आत्म-निर्भर बना सकते हैं।

उन्हें एक कोना दें

चाहे जो परिस्थिति हो, आप अपने बच्चे को एक ऐसा कोना जरूर उपलब्ध कराएं, जिसे वह स्वयं व्यवस्थित करें। याद करें स्कूलों में बच्चों को दिया जाना वाला लॉकर। इसी तरह एक ड्रॉवर या एक लॉकर उसे जरूर दें, जहां वह अपनी चीजें व्यवस्थित कर रख सकें। इससे उसमें जिम्मेदारी का भाव भी आएगा और निर्णय करने की क्षमता का विकास भी होगा। जब वह उसे अपनी तरह से व्यवस्थित कर पाएगा तो उसमें आत्मविश्वास भी आएगा।

छोटे-छोटे निर्णय करने दें

अपने बच्चे को छोटे-छोटे निर्णय स्वयं करने दें। जैसे अपने दोस्त की बर्थडे पार्टी में वह क्या पहन कर जाना चाहता है? या फिर डिनर के लिए जाते हुए वह किस तरह के कपड़े पहनना चाहता है? या रेस्टोरेंट में उसे स्वयं अपना ऑर्डर देने के लिए कहें। आइसक्रीम का कौन-सा फ्लैवर या किस तरह का पित्जा वह खाना चाहता है, इसका निर्णय उसे स्वयं करने दें।

अपने रिश्ते उसे ही निभाने दें

यदि उसके दोस्त का जन्मदिन है या वह अपने दोस्त को किसी खास मौके पर पार्टी देना चाहता है या गिफ्ट देना चाहता है तो उसे खुद ही निर्णय करने दें। यदि वह आपसे राय मांगे तो उसे सुझाव दें। उसके समक्ष विकल्प रखें, उसे निर्णय न सुनाएं। उससे पूछे कि उसके दोस्त की रूचि क्या करने में है? उसी हिसाब से वह उसे गिफ्ट दें, लेकिन यह न बताएं कि उसे क्या गिफ्ट दे!

घर के छोटे-छोटे काम करने के लिए कहें

भारतीय घरों में अक्सर घर के कामों को लड़कियों के हिस्से में माना जाता है। ऐसे में अक्सर हम लड़कों को इससे अलग रखते हैं। लेकिन अब चूंकि लड़कों को भी अलग-अलग वजहों से घर से बाहर जाना पड़ता है, इसलिए उन्हें भी घर के काम करना आना चाहिए। इससे घर से बाहर एडजस्ट करने में उन्हें असुविधा नहीं होगी। खासतौर पर चाय बनाना, नाश्ता बना पाना और हां अपने कपड़ों को खुद ही धोना अपने बच्चे को जरूर सिखाएं।

अपनी समस्याओं को उन्हें ही हल करने दें

भाई-बहनों के बीच के झगड़े हो या फिर दोस्तों के बीच हुए विवादब्च्चे को अपनी समस्याओं से खुद ही लड़ने को कहें। स्कूल के एंन्यूएल फंक्शन में पार्टिसिपेशन के लिए डांस की तैयारी करनी हो या फिर कॉस्ट्यूम अरेंज करना हो, बच्चों को मार्गदर्शन तो दें, लेकिन उसका काम आप न करें।

इस तरह की छोटी-छोटी चीजें करके आप बच्चे को भविष्य के लिए तैयार कर सकते हैं। आखिर उसे आपके घर की छत से बाहर जाकर अपने लिए जमीन तलाशनी है और दुनिया बनानी है। अपनी छाया से अलग करके ही आप उसे विकसित होने का अवसर देंगी, ये न सिर्फ आपके लिए बल्कि स्वयं बच्चे के लिए भी अच्छा होगा।

बच्चे के पुराने खिलौने फेंके नहीं बल्कि ऐसे करें इस्तेमाल

अपने बच्चों के लिएही खिलौने चुनने में पेरेंट्स बहुत समय लगा देते हैं। आप जिस खिलौने को पसंद करने में घंटों लगा देते हैं, बच्चा उससे कुछ साल ही खेल पाता है और बड़ा होने पर वो खिलौने उसके किसी काम के नहीं रहते हैं। जब बच्चा खिलौनों से खेलना बंद कर देता है, तो पेरेंट्स के लिए इन्हें संभालकर रखना मुश्किल हो जाता है। उन्हें समझ नहीं आता है कि वो इन खिलौनों को कहां रखें या इनका क्या करें।

खिलौनों का क्या करें

अगर आपके बच्चे के ढेरों खिलौने अब बेकार पड़े हैं और घर में उनसे खेलने वाला कोई नहीं है, तो आप उल्हें दान कर सकते हैं। इस तरह से खिलौने उन बच्चों तक पहुंच पाएंगे, जिन्हें सच में इसकी जरूरत हो। आपकी इस कोशिश से किसी मासूम बच्चे के चेहरे पर मुस्कान आ सकती है। यहां हम आपको कुछ ऐसे तरीके और जगहें बता रहे हैं, जहां आप अपने बच्चों के खिलौनों को दान कर सकते हैं।

कैसे खिलौने कर सकते हैं दान

जो खिलौने अच्छी कंडीशन में हों और ज्यादा इस्तेमाल न किए गए हों, उन्हें दान के रूप में स्वीकार कर लिया जाता है। आप ब्लॉक्स, पजल्स, बोर्ड गेम, स्टफ्ड एनीमल, टॉय कार, क्राफ्ट किट, स्पोर्ट्स किट, एक्टिविटी बुक जैसे कई तरह के टॉएज दान कर सकते हैं। हालांकि, कई जगहों पर मुंह में लेने वाले खिलौने दान में नहीं लिए जाते हैं जैसे कि पैसिफायर और टीथर आदि। आप खिलौनों को दान करने से पहले कंफर्म कर लें कि उस जगह पर किस तरह के टॉएज लिए जाते हैं।

चैरिटी में

आप उन संस्थानों में खिलौनों को दान कर सकते हैं जो चैरिटी करती हों। ये संस्थाएं अनाथ बच्चों को ये खिलौने देती हैं। इसके अलावा इनके द्वारा गरीब परिवारों के बच्चों को भी खिलौने और जरूरी सामान दिए जाते हैं।

शेल्टर या आश्रय स्थल

वुमेन शेल्टर होम में भी आप खिलौनों को दान कर सकते हैं। इन जगहों पर बच्चों के पास बहुत कम चीजें और सुविधाएं होती हैं। ये लोग आपके गिफ्ट और खिलौनों को आसानी से ले लेंगे। आप इन्हें खिलौनों के अलावा कपड़े और टॉयलेटरीज भी दान कर सकते हैं। इसके अलावा और क्या-क्या दान कर सकते हैं, यह जानने के लिए आप सीधा शेल्टर होम में बात कर सकते हैं।

चिल्ड्रेन होम

आप अनाथ आश्रम में भी बच्चों के खिलौने दान कर सकते हैं। यहां हर उम्र के बच्चे होते हैं जिन्हें आपके खिलौने पसंद आ सकते हैं।

अस्पताल या धार्मिक केंद्र

कई अस्पताल भी बच्चों के खिलौने लेते हैं। यहां दाखिल होने वाले बच्चों को ट्रीटमेंट के दौरान खिलौनों से खेलने दिया जाता है। इसके अलावा आपके आसपास के धार्मिक केंद्रों में भी बच्चों के खिलौने लिए जा सकते हैं। आप मंदिर के बाहर बैठे बच्चों को खिलौने दे सकते हैं। इन बच्चों के पास बचपन की सबसे प्यारी चीज यानि खिलौनों के नाम पर कुछ नहीं होता है। ऐसे में आपकी छोटी सी मदद इनके चेहरे पर मुस्कान ला सकती है।

छोटी-सी तारीफ भी देती है बड़ी खुशी

कोई भी महिला तब और निखर उठती है, जब कोई उसकी खूबसूरती की तारीफ करने वाला हो। कोई उसकी छोटी-छोटी जरूरतों का खयाल रखने वाला हो। अगर वह अपने साथी के लिए कुछ करे तो वह उसे नोटिस करे। जब साथी इन बातों का खयाल रखता है तो दांपत्य जीवन खुशियों से महक उठता है।

आज सुबह से ही तन्वी का मन कुछ उदास था, न जाने किस सोच में गुम थी। पिछले काफी समय से सोच रही थी कि उसकी शादीशुदा जिंदगी में कुछ कमी-सी है लेकिन तभी मोबाइल पर आए एक मैसेज ने जिंदगी में छाई सारी निराशाओं को पल भर में मानो दूर भगा दिया और तन्वी के मन में एकाएक नई उमंगें तैरने लगीं। इसमें लिखा था-'कैसी हो स्वीटहार्ट' ? तुम्हारा दिन कैसा बीत रहा है?

यह मैसेज पढ़ते ही तन्वी का उदासी में डूबा दिन खुशनुमा हो उठा। उसके मन में शाम की कई प्लानिंग चलने लगीं। आईने में खुद को बार-बार निहारने लगी। वाकई में तन्वी जितनी खुश थी, उसकी चमक उसके चेहरे पर स्पष्ट दिखाई दे रही थी। उसके बाद ही तन्वी ने भी पूरी गर्मजोशी से मैसेज का जवाब भी दिया और उसके खुश रहने के साथ पूरे घर का माहौल खुशनुमा हो गया।

क्या चाहती हैं महिलाएं

अक्सर पुरुष सोचते हैं कि स्त्रियों को खुश करना बड़ा मुश्किल है, लेकिन वे नहीं जानते कि उनकी जीवनसंगिनी खुश होने के लिए बेशकीमती तोहफा नहीं चाहती, उसे तो प्यार से दी गई एक कैंडी भी खुश कर सकती है। लंबे से मेल के बजाय प्यार में डूबी छोटी-सी पंक्ति भी जीवनसाथी को प्रसन्ना कर सकती है। बस, इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

बस थोड़ी-सी केयर

सचाई यह है कि करियर में कोई स्त्री कितनी भी कामयाब क्यों न हो जाए, उसे सबसे बड़ी खुशी तब मिलती है, जब उसका साथी उसकी छोटी-छोटी ख्वाहिशों को समझता हो, उनका खयाल रखता हो। दरअसल, ऐसा करते हुए वह यह जता देता है कि वह उसके लिए कितनी खास है। महिलाएं हमेशा से चाहती हैं कि उनका साथी कार में पहले खुद बैठने की बजाय उनके लिए कार का दरवाजा खोले। ये चाहत इसलिए नहीं है कि वह यह काम खुद नहीं कर सकती या फिर शारीरिक रूप से कमजोर हैं, वह सिर्फ अपने पार्टनर से एक स्नेह भरे रिश्ते की अपेक्षा रखती हैं।

प्रकृति ने पुरुष को फिजिकली मजबूत बनाया है। वह मेहनत करता है, परिवार चलाता है। स्त्री उसका खयाल रखती है। आदिकाल से ऐसा ही होता रहा है लेकिन समय के साथ इसमें बदलाव भी आया है। अब स्त्रियां घर-ऑफिस साथ संभाल रही हैं। पुरुष उनकी मेहनत की कद्र करता है, लेकिन कहीं न कहीं वह इसका इजहार करने से चूक जाता है।

माथे पर बढ़ रही लकीरों को हटाएंगे ये होममेड मास्क

बिजी लाइफ के दौरान त्वचा का ख्याल नहीं रख पाते हैं। लेकिन जब कहीं जाना होता है तब हमें अपनी स्किन का ख्याल आता है, पर उस वक्त कोई उपाय नहीं सूझता है और बेकार मूड से फंक्शन में जाना पड़ता है। कोई बात नहीं अब भी केयर कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं कैसे माथे पर आ रही चिंता की लकीरों को हटाए कुछ ही दिनों में।

गाजर और अंडे का पैक

गाजर में मौजूद तत्व बीटा कैरोटीन, आयोडीन झुर्रियों को कम करने में मदद करते हैं। साथ ही अंडे में भी पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो त्वचा में कसावट पैदा करते हैं। गाजर को मिक्सी में किस लें और एग व्हाइट को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद चेहरे पर चेहरे पर लगा लें। 20 मिनट बाद चेहरे को नॉर्मल पानी से धो लें। हफ्ते में कम से कम दो बार इस पैक का जरूर इस्तेमाल करें।

ऑलिव ऑयल और शहद

माथें पर उभरने वाले लकीरे आपकी खूबसूरती कम कर देती है। लेकिन 1 चम्मच शहद और 1 चम्मच ऑलिव ऑयल लें। दोनों को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद रात को सोने सेपहले सिर पर लगा लें।सुबह उठकर मुंह को धो लें। हफ्ते में 2 या 3 बार ऐसा करें। कुछ ही दिन में आराम मिल जाएगा।

कोको पाउडर और ऑलिव ऑयल

माथे पर दिखती लकीरे आपको बहुत जल्दी शर्मिंदा करा देती है। लेकिन अब नहीं होना पड़ेगा। 1 चम्मच कोको पाउडर और 1 चम्मच ऑलिव ऑयल लें। दानों को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद चेहरे पर 20 मिनट के लिए लगा लें। फिर नॉर्मल पानी से धो लें। कुछ ही दिन में आराम मिल जाएगा।

बोरियत को न बनाएं अपनी आदत!

सारा काम खत्म हो गया, डिनर के लिए बाहर जाने का मन नहीं है, इस सप्ताह कोई अच्छी फिल्म भी रिलीज नहीं हुई, समझ नहीं आ रहा क्या करें, कहां जाएं? आपको भी अपने आसपास अक्सर ऐसी बातें सुनने को मिलती होंगी। ऐसा सोचने या कहने का सीधा मतलब यही है कि व्यक्ति अपनी वर्तमान मनस्थिति से खुश ही है और इसी वजह से उसे बोरियत महसूस हो रही है।

समस्या की जड़ें

जब कभी जीवन में ठहराव आने लगता है तो इससे बोरियत पैदा होती है। आज की तेज रफ्तार जिंदगी ने इंसान को काफी हद तक वर्कोहॉलिक बना दिया है। अब लोग दिन-रात मशीन की तरह काम में जुटे रहते हैं। जैसे ही उनका कार्य पूरा हो जाता है, उन्हें खालीपन महसूस होने लगता है। आज लोगों के सामने मनोरंजन के विकल्पों का अंबार है, फिर भी वे बोरियत से परेशान रहते हैं। सीमित साधनों के बीच संतुष्ट और खुश रहना आसान है, लेकिन ढेर सारे विकल्प हमें केवल भ्रमित करते हैं और अंततः इनकी वजह से बोरियत पैदा होने लगती है।

बोर होते बच्चे

आजकल बच्चों को भी बहुत जल्दी बोरियत महसूस होती है। पुराने समय में बच्चे एक ही खिलौने से महीनों तक खेलते थे, पर आज के बच्चे दो ही दिनों के बाद अपने लिए नए खिलौने की मांग करने लगते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि अब पैरेंट्स के पास बच्चों के लिए समय नहीं है। इस समस्या से बचने के लिए वे छोटी उम्र से ही बच्चों को उनकी मनमर्जी का काम करने की छूट दे देते हैं। ऐसी स्थिति में बच्चों की फ्रस्ट्रेशन टॉलरेंस खत्म हो रही है। अगर माहौल उनकी पसंद के प्रतिकूल हो तो वे पांच मिनट में ही ऊबने लगते हैं। कभी-कभी बोरियत होना स्वाभाविक है, लेकिन जब यह स्थायी मनोदशा बन जाए तो चिंताजनक है। बोरियत नकारात्मक विचारों की जड़ है। इससे व्यवहार में चिड़चिड़ापन आने लगता है। कार्यक्षमता और रिश्तों पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसकी वजह से व्यक्ति को डिप्रेशन भी हो सकता है।

कैसे करें बचाव

खुद को बोरियत से बचाने के लिए जीवन में संतुलन बेहद जरूरी है। जिस तरह वर्कोहॉलिक होना नुकसानदेह है, उसी तरह ज्यादा आरामतलबी और मनोरंजन की अधिकता भी व्यक्ति को बहुत जल्दी बोर कर देती है। इन दोनों स्थितियों से बचते हुए दिनचर्या में संतुलन बनाए रखना चाहिए। जिस तरह शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए आप एक्सरसाइज करते हैं या जिम जाते हैं। ठीक उसी तरह दिमागी सेहत का भी ध्यान रखना बेहद जरूरी है। इसके लिए फुर्सत के पलों में टीवी देखने के बजाय कोई अच्छी किताब पढ़ें, अपने करीबी लोगों से बातचीत करें या बागवानी करें। कोई भी ऐसी गतिविधि, जिसमें व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक ऊर्जा खर्च होती हो, वह उसे बोरियत से बचाती है। ऐसी समस्या से बचने के लिए सहनशीलता बहुत जरूरी है।

पाक कबायली परिषद 'जिरगा' ने महिलाओं के पर्यटन- मनोरंजन स्थलों पर जाने से लगाई पाबंदी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान महिलाओं की आजादी को लेकर संकीर्ण सोच रखता है अब यहां एक कबायली परिषद 'जिरगा' ने महिलाओं के पर्यटन और मनोरंजन के वास्ते सार्वजनिक स्थानों पर जाने से रोक लगा दी है और इसे 'अनैतिक' और इस्लामी सिद्धांतों के खिलाफ बताया है। खबर के अनुसार बाजौर कबायली जिले में अति-रूढ़िवादी सालारजई तहसील की जिरगा (कबायली परिषद) ने शनिवार को घोषणा की कि यदि सरकार ने रविवार तक इस निर्णय को लागू नहीं किया तो जिरगा सदस्य इसे लागू करने के लिए इसे अपने हाथ में लेंगे। जिरगा का आयोजन जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल (जेयूआई-एफ) की स्थानीय इकाई द्वारा किया गया था, जो सत्तारूढ़ गठबंधन के मुख्य घटकों में से एक है। यह कदम ऐसे समय सामने आया है, जब विश्व आर्थिक मंच ने कुछ ही दिन पहले जारी अपनी वार्षिक लैंगिक अंतराल रिपोर्ट में पाकिस्तान को दुनिया के साथ-साथ क्षेत्र में लैंगिक समानता के मामले में दूसरे सबसे खराब देश का स्थान दिया था। इस बैठक में सालारजई तहसील के विभिन्न कबायलियों के वरिष्ठों के अलावा, क्षेत्र के कई जेयूआई-एफ नेताओं और धार्मिक हस्तियों ने हिस्सा लिया। इसका आयोजन जेयूआई-एफ जिला नेतृत्व द्वारा किया गया था। जेयूआई-एफ के जिला प्रमुख मौलाना अब्दुर रशीद और अन्य वक्ताओं ने शनिवार को सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जिरगा का उद्देश्य ईद के दौरान उभरे कई मुद्दों पर चर्चा करना और उन्हें शांतिपूर्वक और सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करना था। जिरगा में शामिल वक्ताओं ने कहा कि यह गौर किया गया है कि पुरुषों के अलावा, कई स्थानीय महिलाएं अपने पति या अन्य रिश्तेदारों के साथ अथवा अकेले ही ईद की छुट्टियों के दौरान विभिन्न पर्यटन एवं पिकनिक स्थलों का दौरा करती हैं। जिरगा में दावा किया गया कि यह 'इस्लामी सिद्धांतों पर आधारित' स्थानीय रीति-रिवाजों और परंपराओं के खिलाफ है। वक्ताओं ने कहा कि पर्यटन और मनोरंजन के लिए उक्त स्थानों पर महिलाओं का जाना 'पूरी तरह से अनैतिक और अस्वीकार्य' है। उन्होंने दावा किया कि इस्लाम और स्थानीय परंपराओं, दोनों में इस तरह की गतिविधियों के लिए कोई जगह नहीं है।

UK PM: कैबिनेट में बोरिस जॉनसन को कोई नहीं चाहता

लंदन। ब्रिटेन में सियासी घमासान के बाद प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। बता दें कि बोरिस जॉनसन की कुर्सी पर कई बार खतरा मंडराया लेकिन इस बार वह अपनी सत्ता को चाह कर भी नहीं बचा पाए। हाल इतना बुरा है कि अब किसी भी दावेदार ने बोरिस जॉनसन को अपने मंत्रिमंडल में शामिल करने का वादा नहीं किया है। टोरी लीडरशीप के अंदर टॉम तुगेंदहट, पेनी मोर्डौंट, ऋषि सुनक, लिज़ ट्रस और केमी बडेनोच से दो बार सवाल के जवाब में हाथ उठाने का अनुरोध किया गया था।

जिसमें पूछा गया कि क्या बोरिस जॉनसन को सेवा जारी रखने की अनुमति देने के इच्छुक होंगे या नहीं। हालाँकि उनके पास हाथ उठाने के बहुत अवसर थे, लेकिन उनमें से किसी ने भी ऐसा नहीं किया। इससे पता चलता है कि कोई भी बोरिस जॉनसन को अपने कैबिनेट में शामिल नहीं करना चाहता है।

श्रीलंका में 20 जुलाई को राष्ट्रपति चुनाव से पहले देश में आपातकाल की घोषणा

कोलंबो। श्रीलंका के कार्यवाहक राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने 20 जुलाई को राष्ट्रपति पद के लिए होने वाले चुनाव से पहले देश में आपातकाल की घोषणा की। देश में राजनीतिक संकट और अराजकता के बीच गोटबाया राजपक्षे ने राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था और उसके बाद से यह पद रिक्त है। देश में आपातकाल की घोषणा वाला 17 जुलाई की तारीख वाला सरकारी आदेश सोमवार सुबह जारी किया गया। देश की 225 सदस्यीय संसद में दो दिन बाद राष्ट्रपति का चुनाव होना है। गौरतलब है कि जन सुरक्षा अध्यादेश के भाग दो के तहत राष्ट्रपति के पास आपातकाल लगाने की शक्तियां हैं। अध्यादेश के इस भाग में लिखा है,''अगर राष्ट्रपति का विचार है कि पुलिस हालात को संभाल पाने में विफल है तो वह एक आदेश जारी करके सशस्त्र बलों को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कह सकते हैं।'' इसका तात्पर्य है कि सुरक्षा बलों को छापे मारने, गिरफ्तार करने, जब्त करने, हथियार और विस्फोटकों को हटाने तथा किसी भी व्यक्ति के आवास में घुसने और तलाशी लेने का अधिकार है। राजपक्षे फिलहाल सिंगापुर में हैं।

अमेरिका में फिर दिनदहाड़े शूटआउट! इंडियाना स्टेट मॉल में घुसकर शख्स ने की गोलीबारी, 3 निर्दोषों ने तोड़ा दम

वाशिंगटन। अमेरिका में वीकेंड पर लोग अपने परिवार के साथ एंजोय करने के लिए मॉल आये थे तभी एक अज्ञात शख्स ने अचानक लोगों पर गोलियां चलानी शुरू कर दी हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में इंडियाना स्टेट मॉल के एक फूड कोर्ट में एक व्यक्ति द्वारा की गई गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई और दो घायल हो गए। अमेरिकी पुलिस ने कहा कि बंदूकधारी को एक सशस्त्र नागरिक ने मार गिराया। घटना ग्रीनवुड पार्क मॉल की है। ग्रीनवुड पुलिस विभाग के चीफ जिम इसन ने बताया कि दोनों घायलों को पास ही अस्पताल में भर्ती कराया गया है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मेयर मार्क मायर्स ने कहा ग्रीनवुड पुलिस विभाग दृश्य के नियंत्रण में है। मैं कमांड पोस्ट के सीधे संपर्क में हूं, और आगे कोई खतरा नहीं है। बंदूकधारी, एक वयस्क पुरुष, को एक सशस्त्र नागरिक ने गोली मार दी थी। हालांकि, शूटिंग के पीछे किसी मकसद या मंशा का अभी तक अधिकारियों को पता नहीं चला है। चीफ जिम इसन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि स्थानीय आपातकालीन कॉल सेंटर को शाम 6 बजे GMT के आसपास फूड कोर्ट में शूटिंग के बारे में कॉल आने लगीं। फॉक्स न्यूज ने बताया कि पुलिस ने कहा कि शूटर के पास एक लंबी राइफल और गोला-बारूद की कई पत्रिकाएं थीं।

अमेरिकी अरबपति मार्क क्यूबन अब तक नहीं भूले कि बिल गेट्स ने चुरा ली थीं उनकी गर्लफ्रेंड्स

कैलिफोर्निया। अमेरिकी अरबपति मार्क क्यूबन ने बताया है युवावस्था में मशहूर कारोबारी बिल गेट्स ने उनकी फीमेल फ्रेंड्स के साथ दोस्ती करके उन्हें, उनसे दूर कर दिया था। 63 साल के मार्क इस समय दुनिया के जाने-पहचाने चेहरे हैं। वे शार्क टैंक के इनवेस्टर हैं और इस शो के साथ वह सुपरहिट हो चुके हैं। मार्क ने जो किस्सा सुनाया है वह सन् 1980 के दशक का है। उस दौर में लास वेगास में कुछ ऐसा हुआ, जिसे वह आज तक भुला नहीं पाए। मार्क ने बताया सन 1986 में कंप्यूटर ट्रेड शो कॉमडेक्स के दौरान यह घटना हुई थी। उस समय बिल की कंपनी माइक्रोसॉफ्ट पहली बार सार्वजनिक हुई थी। मार्क ने कहा इसके बाद ही बिल गेट्स 'किंग ऑफ टेक' बन गए। मार्क क्यूबन के मुताबिक उस समय उनकी उम्र करीब 26-27 साल रही होगी। उन्होंने बताया एक वह अपनी गर्लफ्रेंड के लिए शराब खरीद रहे थे और तभी गर्लफ्रेंड्स ने कहा कि उन्हें वॉशरूम जाना है। वे वॉशरूम गईं लेकिन फिर वापस नहीं लौटीं। उनके अचानक इस तरह से गायब होने से वह परेशान हो गए। इसी समय किसी ने उन्हें बताया कि बिल गेट्स उन लड़कियों के साथ वहां से बाहर निकल गए हैं। क?यूबन ने शिकायती लहजे में कहा कि बिल गेट्स ने मेरी गर्लफ्रेंड्स चुरा ली थीं। मार्क क?यूबन के मुताबिक इस घटना के बाद उनकी और बिल गेट्स की एक ही बार मुलाकात हुई है और इस मीटिंग ने गेट्स को काफी नाराज कर दिया था। उन्होंने बताया कि एक कॉन्फ्रेंस में दोनों का आमना-सामना हुआ और यहां पर दोनों की स्पीच होनी थी। जब उनकी बारी आई तो उन्होंने बिल गेट्स पर एक ऐसा जोक मारा जो उन्हें जरा भी पसंद नहीं आया। इसके बाद से आज तक दोनों के बीच कोई बातचीत नहीं हुई है। अभी तक गेट्स की तरफ से इस पर कोई प्रतिक्रिया भी नहीं आई है।

शराब के सेवन से युवाओं में भी बढ़ जाता है स्वास्थ्य का जोखिम, अध्ययन में सामने आई जानकारी

वाशिंगटन । युवाओं को ज्यादा उम्र वाले लोगों की तुलना में शराब के सेवन से अधिक स्वास्थ्य जोखिम का सामना करना पड़ता है। प्रमुख शोध पत्रिका में शुक्रवार को प्रकाशित एक वैश्विक अध्ययन में यह बात कही गई है। भौगोलिक क्षेत्र, आयु, लिंग और वर्ष के आधार पर शराब से जुड़े जोखिम के बारे में यह पहला अध्ययन है। अध्ययन में कहा गया है कि दुनिया भर में शराब की खपत की सिफारिशें उम्र और स्थान पर आधारित होनी चाहिए, जिसमें सबसे सख्त दिशानिर्देश 15-39 साल के आयु वर्ग के पुरुषों के लिए लक्षित हों। अध्ययन में कहा गया है कि इस उम्र समूह में शराब के सेवन से स्वास्थ्य का जोखिम बढ़ जाता है। अध्ययन से यह भी पता चलता है कि अगर कोई गंभीर बीमारी नहीं हो तो 40 वर्ष और उससे अधिक उम्र के वयस्कों को कम मात्रा में शराब के सेवन से कुछ लाभ मिल सकता है।

दक्षिण पश्चिम फ्रांस के जंगलों में लगी आग से निकलता हुआ धूआं।

सिंगापुर पहुंचने पर गोटबाया राजपक्षे का विरोध, कुछ लोगों ने किया मौन प्रदर्शन

सिंगापुर । श्रीलंका राष्ट्रपति पद से बेदखल किए गए गोटबाया राजपक्षे के पिछले गुरुवार को यहां पहुंचने पर सिंगापुर के कुछ लोगों ने मौन प्रदर्शन किया। गोटबाया के गुरुवार को सिंगापुर पहुंचने के तुरंत बाद पुलिस ने संभावित प्रदर्शनकारियों को कानून तोड़ने के परिणामों को लेकर आगाह किया। पुलिस ने कहा कि जनता, सिंगापुर के नागरिक, निवासी, वर्क पास धारक और सामाजिक आगंतुक समान रूप से स्थानीय कानूनों का पालन करें। खबरों में पुलिस का हवाला देते हुए कहा, 'सार्वजनिक सभा, जो अवैध है उसमें भाग लेने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।' गुरुवार को बनाई गई चेंज डॉट ओआरजी नामक याचिका में व्यवसायी रेमंड एनजी ने लिखा कि 'सिंगापुर गणराज्य के प्रति निष्ठा' के चलते उन्होंने, धन शोधन के आरोप में राजपक्षे के खिलाफ सिंगापुर में एक पुलिस रिपोर्ट दर्ज कराई है। शनिवार तक, 2,000 से अधिक लोगों ने याचिका पर हस्ताक्षर किए हैं, हालांकि यह ज्ञात नहीं है कि इनमें से कितने विशिष्ट थे या सिंगापुर से थे। सिंगापुर के फैसले पर नाराजगी जाहिर करने के लिए कई श्रीलंकाई लोग ट्विटर पर सिंगापुर सरकार के ट्विटर अकाउंट को टैग भी कर रहे हैं। लेकिन कुछ ऐसे भी हैं जिनका मानना है कि सिंगापुर को राजपक्षे को प्रवेश की अनुमति देने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि जब वह गुरुवार को चांगी हवाई अड्डे पर पहुंचे, तब भी वे श्रीलंका के राष्ट्रपति थे। राजपक्षे ने औपचारिक रूप से शुक्रवार को इस्तीफा दिया था।

नाटो में योगदान के लिए कितनी तैयार है जर्मनी की सेना?

कीव (एजेंसी)।

नाटो खुद को फिर से संगठित कर रहा है और जर्मनी पूर्वी हिस्से में नाटो के रैपिड रिस्पॉन्स फोर्स के लिए अपने 15 हजार सैनिक भेज रहा है। हालांकि इस वजह से जर्मन सेना के सामने भी कई समस्याएं खड़ी हो रही हैं। नाटो रिस्पॉन्स फोर्स यानी एनआरएफ इसकी 'फायरवॉल' जैसी होती हैं। इसकी बहुराष्ट्रीय युद्धक इकाइयों को स्टैंडबाई यानी आपातस्थिति के लिए सुरक्षित रखा जाता है। आपातस्थिति में इसकी पहली यूनिट जिन्हें एनआरएफ कहा जाता है, वो संकटग्रस्त इलाकों में 48 घंटे के भीतर पहुंचकर जमीन, हवा अथवा समुद्र में अपने मिशन में लग जाती हैं।

एनआरएफ से उम्मीद है कि वो जल्दी ही और प्रभावी तरीके से कार्रवाई करेगा। पिछले हफ्ते मैड्रिड में हुए नाटो सम्मेलन में गठबंधन ने अपनी पूर्वी सीमाओं को और मजबूत करने के लिए रिस्पॉन्स फोर्स की संख्या को 40 हजार से बढ़ाकर तीन लाख करने का फैसला किया है।

जर्मनी की रक्षा मंत्री क्रिस्टीन लैंब्रेष्ट ने घोषणा की है कि जर्मनी अपने उन 3-5 हजार सैनिकों को यहां भेजेगा जो अभी तक लिथुआनिया में तैनात हैं। अब तक पूर्वी इलाके में जर्मनी के करीब एक हजार सैनिक ही तैनात हैं। इसके अलावा जर्मनी 65 एअरक्राफ्ट और 20 पानी के जहाज के साथ ही विशेष कमांडो दस्ते भी भेज रहा है।

नाटो के महासचिव येंस स्टोल्टेनबर्ग चाहते हैं कि यहां अगले साल तक नई रैपिड रिएक्शन बल काम करना शुरू कर दे और उनकी इसी इच्छा ने जर्मन सशस्त्र बल यानी बुंडेसवेयर पर दबाव बढ़ा दिया है।

बुंडेसवेयर की परेशानी

ब्रसेल्स का नाटो मुख्यालय अब और आत्मविश्वास से भरा दिख रहा है, क्योंकि गठबंधन पहले की तुलना में अब कहीं ज्यादा जीवंत हो गया है। वही गठबंधन, जिसे कभी फ्रांस के राष्ट्रपति इमानुएल माक्रों ने ÷ब्रेन डेड कहा था। हालांकि जर्मनी की प्रतिक्रिया कहीं ज्यादा समझदारी वाली है। बुंडेसवेयर की मौजूदा स्थिति इस बात पर संदेह पैदा करती है कि क्या वह नाटो की नई जिम्मेदारी को निभा पाएगी,, क्योंकि शीतयुद्ध की समाप्ति के बाद से इसे काफी घटा दिया गया है।

जर्मनी की सेना में कितनी बुराइयां भरी हैं इसे अप्रैल में जर्मन संसद में एक बहस के दौरान लैंब्रेष्ट के भाषण में देखा जा सकता है। सोशल डेमोक्रेट नेता का कहना था कि कागज पर हमारे पास 350 प्यूमा इंफैंट्री फाइट वेहिकल हैं जबकि उनमें से सिर्फ 150 गाड़ियां ही काम लायक हैं।

यही स्थिति टाइगर कॉम्बैट हेलीकॉप्टर की है। 51 में से सिर्फ नौ ऐसे हैं जो उड़ सकते हैं। इसके अलावा सुरक्षात्मक वेस्ट्स, बैकपैक्स और रात में देखने में मदद करने वाले उपकरणों की भी कमी है। यहां तक कि पूर्वी हिस्से में तैनात नाटो के सैनिकों के लिए गर्म अंडरवेयर की भी कमी है। बुंडेस्टाग डिफेंस कमिश्नर और चांसलर ओलाफ शॉल्त्स की सेंटर लेफ्ट सोशल डेमोक्रेट पार्टी की सदस्य एफा होगल को लगता है कि एनआरएफ को बढ़ावा देने से बुंडेसवेयर पर बोझ बढ़ेगा। अखबार ऑग्सबुर्गर अल्गेमाइने से बातचीत में वो कहती हैं कि ऐसा लगता है कि जर्मनी से अपेक्षाएं और बढ़ेंगी। इसका मतलब है कि बुंडेसवेयर के सामने बड़ी चुनौती है, क्योंकि उससे सैनिक, सामान, उपकरण और आधारभूत ढांचे में मदद की उम्मीद की जाएगी।

बड़ी चुनौतियां

जर्मन सशस्त्र बल एसोसिएशन यानी बुंडेसवेयर फर्बैंड सेना के 183,000 सैनिकों के हितों का प्रतिनिधित्व करता है। इस एसोसिएशन के अध्यक्ष आंद्रे वुसनर कहते हैं कि 'सेना इस मुद्दे पर बड़ी चुनौती का सामना कर रही है जो कि बुंडेसवेयर को इससे पहले कभी नहीं करना पड़ा।'

यूक्रेन के राष्ट्रपति ने शीर्ष सुरक्षा प्रमुख और महाभियोजक को पद से हटाया

विनित्सिया (यूक्रेन)। (एजेंसी)।

रूस की ओर से पूर्वी यूक्रेन में हमले तेज किये जाने के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सुरक्षा प्रमुख और महाभियोजक को रविवार को बर्खास्त कर दिया। राष्ट्रपति ने दोनों को बर्खास्त करने के पीछे देशद्रोह और विभाग के लोगों तथा कानून प्रवर्तन अन्य एजेंसियों के लोगों के साथ सांठगांठ करने के आरोप लगाए हैं। राष्ट्रपति ने कहा, '' अभियोजन कार्यालय के और एसबीयू (राज्य सुरक्षा सेवा) के 60 से अधिक कर्मचारी कब्जे वाले क्षेत्र में हैं और उन्होंने देश के खिलाफ काम किया।''

जेलेंस्की ने रात के वक्त देश के नाम संबोधन में जारी एक वीडियो में कहा, '' देश के राष्ट्रीय सुरक्षा प्रतिष्ठानों के खिलाफ इस प्रकार के अपराध तथा यूक्रेनी सुरक्षा बलों और रूसी विशेष सेवा के बीच संबंध बेहद गंभीर सवाल पैदा करते हैं।'' उन्होंने एसबीयू के प्रमुख इवान बकानोव को पद से बर्खास्त कर दिया। बाकानोव जेलेंस्की के बचपन के मित्र हैं और पूर्व कारोबारी साझेदार भी। युद्ध शुरू होने के बाद से ही बाकानोव के खिलाफ गंभीर आरोप लग रहे थे। पिछले महीने से अज्ञात सूत्रों के हवाले से खबरें आ रही थींकि जेलेंस्की उनका विकल्प तलाश रहे हैं। राष्ट्रपति ने इरयाना वेनेदिकतोवा को भी महाभियोजक पद से बर्खास्त कर दिया है। उनकी जगह उनकी सहायक ओलेक्सीय साइमोनेन्को को महाभियोजक बनाया गया है।

इमरान खान ने पंजाब उपचुनाव में किया क्लीन स्वीप, पीएम शरीफ को करारा झटका

लाहौर। (एजेंसी)।

अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने पंजाब के महत्वपूर्ण विधानसभा उपचुनावों में 'क्लीन स्वीप' किया, जिससे प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को एक बड़ा झटका लगाहै। चुनाव परिणाम के बाद शहबाज के मुख्यमंत्री बेटे हमजा शहबाज अपना पद गंवाने के लिए तैयार हैं। मुख्यमंत्री के लिए चुनाव 22 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर होगा और पीटीआई-पीएमएलक्यू के संयुक्त उम्मीदवार चौधरी परवेज इलाही के राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण प्रांत पंजाब के नए मुख्यमंत्री होने की संभावना है। अब तक के अनाधिकारिक नतीजों के मुताबिक पीटीआई ने 16 सीटों पर जीत हासिल की है जबकि पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) को सिर्फ तीन सीटों पर जीत मिली है। एक निर्दलीय प्रत्याशी ने भी जीत हासिल की है। शरीफ परिवार की सत्तारूढ़ पीएमएल-एन ने अपनी हार स्वीकार कर ली है और यहां तक कि उपचुनावों में 'भूस्खलन की जीत' के लिए पीटीआई अध्यक्ष खान को बधाई भी दी है। प्रधानमंत्री के प्रवक्ता मलिक अहमद खान ने कहा कि हम लोगों के जनादेश का सम्मान करते हैं। अब हम पीटीआई-पीएमएलक्यू से पंजाब में सरकार बनाने को कहते हैं।

रावलपिंडी में पुश्तैनी घर का दौरा करेगी 90 वर्षीय भारतीय महिला

लाहौर (एजेंसी)।

भारत की एक 90 वर्षीय महिला पाकिस्तान के रावलपिंडी में अपने पुश्तैनी घर का दौरा करने के लिए शनिवार को जब वाघा-अटारी सीमा के रास्ते लाहौर में दाखिल हुई तो उसकी आंखों में खुशी के आंसू आ गए। रीना छिब्बर वर्मा लाहौर से सीधे रावलपिंडी रवाना हुईं, जहां वह अपने पुश्तैनी आवास 'प्रेम निवास' और स्कूल का दौरा करने के साथ ही बचपन के दोस्तों से मिलेंगी।

सोशल मीडिया पर अपलोड किए गए वीडियो में वर्मा ने बताया कि जब भारत और पाकिस्तान का बंटवारा हुआ था, तब उनका परिवार रावलपिंडी के देवी कॉलेज रोड पर रहता था। उन्होंने कहा, 'मैं मॉडर्न स्कूल में पढ़ती थी। मेरे चार भाई-बहनों ने भी उसी स्कूल से शिक्षा हासिल की थी। वहीं, मेरे एक भाई और एक बहन ने मॉडर्न स्कूल के पास स्थित गॉर्डन कॉलेज से पढ़ाई की थी।' वर्मा ने कहा, 'मेरे बड़े भाई-बहनों के कई मुस्लिम दोस्त हुआ करते थे, जो अक्सर हमारे घर आते थे। मेरे पिता खुले विचारों वाले थे और उन्हें लड़के-लड़कियों के मिलने पर कोई आपत्ति नहीं थी।उन्होंने कहा, 'बंटवारे से पहले हिंदू-मुस्लिम जैसा कोई मुद्दा नहीं था। यह सब विभाजन के बाद हुआ। भारत का बंटवारा यकीनन गलत था, लेकिन चूंकि यह हो चुका है, इसलिए दोनों देशों की सरकारों को वीजा प्रतिबंधों में ढील देने के लिए साथ मिलकर काम करना चाहिए।' भारत स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग ने सद्भावना के तौर पर वर्मा को तीन महीने का वीजा जारी किया है, जो 1947 में विभाजन के समय महज 15 साल की थीं, जब उनका परिवार भारत आ गया था। वर्मा ने सबसे पहले 1965 में पाकिस्तानी वीजा के लिए आवेदन किया था, लेकिन युद्ध के मद्देनजर दोनों देशों के बीच भारी तनाव के कारण यह ठुकरा दिया गया था। वर्मा ने बताया कि उन्होंने पिछले साल सोशल मीडिया पर अपने पुश्तैनी घर का दौरा करने की इच्छा जाहिर की थी। इसके बाद सज्जाद हैदर नामक के एक पाकिस्तानी नागरिक ने सोशल मीडिया पर वर्मा से संपर्क किया और रावलपिंडी स्थित उनके पुश्तैनी घर की तस्वीरें भेजीं। हाल ही में वर्मा ने एक बार फिर पाकिस्तानी वीजा के लिए आवेदन किया था, जिसे अस्वीकार कर दिया गया था। इसके बाद वर्मा ने पाकिस्तान की विदेश राज्य मंत्री हिना रब्बानी खार को टैग करते हुए अपनी ख्वाहिश बयां की, जिन्होंने उनके लिए पाकिस्तानी वीजा की व्यवस्था की।

मंकीपॉक्स का प्रकोप आपातकाल की श्रेणी में आता है या नहीं

-21 को विशेषज्ञ मंकीपॉक्स समिति की बैठक में होगा फैसला

जिनेवा (एजेंसी)।

क्या मंकीपॉक्स का प्रकोप वैश्विक आपातकाल की श्रेणी में आता है या नहीं। आगामी 21 जुलाई को होने वाली विशेषज्ञ मंकीपॉक्स समिति की बैठक में इसका फैसला होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि मंकीपॉक्स पर डब्ल्यूएचओ की आपातकालीन समिति की यह दूसरी बैठक होगी जिसमें 63 देशों में अब तक आये 9,200 मामलों की जानकारी दी जाएगी।

मई की शुरुआत से पश्चिम और मध्य अफ्रीकी देशों के बाहर मंकीपॉक्स के संक्रमण में वृद्धि दर्ज की गई है, जहां यह बीमारी बार-बार सामने आती रहती है।इससे पहले 23 जून को हुई मीटिंग में भी डब्ल्यूएचओ द्वारा इस बात पर चर्चा की गई थी कि क्या यह बिमारी पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न की श्रेणी में आती है। हालांकि, अधिकतर सदस्यों ने डब्ल्यूएचओ के प्रमुख टेड्रोस एडनॉम घेब्येयियस को सलाह दी कि अभी स्थिति इतनी भी बेकाबू नहीं हुई है। लेकिन अब बढ़ते हुए मामलों के बीच एक बार फिर डब्ल्यूएचओ उच्च स्तरीय मीटिंग बुलाने जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी ने अपने बयान में कहा कि आपातकालीन समिति डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक को अपने विचार देगी कि क्या यह बीमारी पीएचईआईसी की श्रेणी में आती है। यदि ऐसा है, तो कमेटी बीमारी के प्रसार को बेहतर ढंग से रोकने और कम करने और वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिक्रिया का प्रबंधन करने के बारे में अस्थायी सिफारिशों का प्रस्ताव करेगी। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, अब तक अधिकांश मंकीपॉक्स संक्रमण पुरुषों के साथ यौन संबंध रखने वाले पुरुषों में देखे गए है। टेड्रोस एडनॉम ने कहा कि डब्ल्यूएचओ नागरिक समाज और एलजीबीटीक्यू समुदाय के साथ मिलकर काम कर रहा है। वायरस को अब एक स्टिग्मा के रूप में देखा जा रहा है। जिसे रोकने के लिए डब्ल्यूएचओ कार्य कर रहा है। एक हफ्ते पहले, डब्ल्यूएचओ ने मंकीपॉक्स के प्रसार पर अपनी पहली स्थिति रिपोर्ट जारी की, जिसमें अब तक के प्रकोप से प्रभावित लोगों की विशिष्ट प्रोफ़ाइल का विवरण दिया गया है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, अब तक प्रभावित होने वाले लगभग सभी रोगी पुरुष हैं, जिनकी औसत आयु 37 वर्ष है, जिनमें से अधिकतर पुरुष पुरुषों के साथ यौन संबंध रखते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वीवीआईपी हेलीकाप्टर घोटाला मामले में कोर्ट ने वायुसेना के 4 सेवानिवृत अधिकारियों को जारी किया समन

नई दिल्ली। देश के चर्चित 3,600 करोड़ रुपये के अगस्ता वेस्टलैंड (वीवीआईपी) हेलीकाप्टर घोटाला मामले दिल्ली की एक कोर्ट ने वायुसेना के चार पूर्व अधिकारियों को तलब किया है। कोर्ट ने वायुसेना के अधिकारियों को 30 जुलाई को पेश होने को कहा है। सीबीआई ने अदालत को सूचित किया कि आवश्यक प्रतिबंध इन पर लगाए गए हैं। सीबीआई अगस्ता वेस्टलैंड से रक्षा मंत्रालय द्वारा 12 एडब्ल्यू101 दोहरे उपयोग वाले हेलीकॉप्टर (वीवीआईपी) हेलिकॉप्टरों की खरीद के लिए 3,600 करोड़ रुपये के अनुबंध की जांच कर रही है। फरवरी 2010 में, तत्कालीन यूपीए सरकार ने 556.262 मिलियन यूरो के 12 अगस्ता वेस्टलैंड हेलिकॉप्टर खरीदने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। ये हेलिकॉप्टर वीवीआईपी और अन्य महत्वपूर्ण गणमान्य व्यक्तियों को लाने-ले जाने के लिए खरीदे जा रहे थे। यह भी आरोप लगाया गया था कि अगस्ता वेस्टलैंड को लाभ पहुंचाने के लिए हेलिकॉप्टर के विनिर्देशों को मूल सौदे से बदल दिया गया था। बाद में रिपोर्टों ने अनुमान लगाया कि कुल सौदा 3,600 करोड़ रुपये का था। इस मामले ने तब राजनीतिक मोड़ ले लिया जब कई कांग्रेस नेताओं के नाम विवाद में घसीटे गए। दुबई और भारत के कुछ बिचौलियों को भी एजेंसियों ने खरीद सौदे को सुविधाजनक बनाने के लिए रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया था। सीबीआई ने अपने पहले के आरोपपत्र में अगस्ता वेस्टलैंड सौदे में सरकारी खजाने को 398.21 मिलियन यूरो (करीब 2,666 करोड़ रुपये) का अनुमानित नुकसान होने का आरोप लगाया था।

नीट परीक्षा: सख्ती के नाम पर छात्राओं के अंतर्वस्त्र उतरवाए, परिजनों ने केस दर्ज कराया

कोल्लम । देश की सबसे प्रतिष्ठित परीक्षा नीट (नेशनल एलेजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट) के दौरान केरल के कोल्लम से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां सख्ती के नाम पर छात्राओं के अंतर्वस्त्र (अंडरगारमेंट्स) तक उतरवा दिए गए। इस संबंध में छात्राओं के परिजनों ने पुलिस में मामला दर्ज कराया है। हालांकि मोर्थम इंस्टीट्यूट ऑफ इनफॉरमेशन टेक्नॉलेजी ने इस घटना से इनकार किया है। फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

वहीं दूसरी तरफ कोटा के मोदी कॉलेज सेंटर पर चार मुस्लिम छात्राएं हिजाब पहनकर पहुंचीं। इन्हें गेट पर पुलिस वालों ने रोक लिया। छात्राएं ने हिजाब हटाने से इनकार कर दिया। पुलिस ने समझाया और ड्रेसकोड का हवाला दिया। फिर भी वो नहीं मानीं। उनके परिवार वाले भी अड़ गए। इसके बाद उनसे लिखित में लिया गया कि परीक्षा को लेकर कोई भी निर्णय होगा, उसके लिए वो खुद जिम्मेदार होंगी। परीक्षा नियमों के तहत स्टूडेंट्स फुल आस्तीन के कपड़े भी नहीं पहन कर आ सकते हैं। अगर स्टूडेंट ऐसा करता है तो उसके आस्तीन को काटने बाद परीक्षा में बैठने की इजाजत होती है। कुंडल, बाली, घड़ी व अन्य सभी वस्तुओं को रख लिया जाता है। लेकिन कोटा में पहली बार देखने में आया कि दो छात्राएं अपने चेहरे को लपेट कर अंदर चली गईं। उन्हें पूरी तरह से चेक किया गया था। एएसआई गीता देवी ने बताया कि पुलिस ने गेट के बाहर की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की थी। कुछ स्टूडेंट्स ने फुल आस्तीन के कपड़े पहने हुए थे, उनकी आस्तीन काटकर अंदर भेजे गए। जिन्होंने हिजाब पहन रखा था उनको साइड में किया था। अंदर से आदेश आने के बाद युवतियों को गेट में प्रवेश दिया गया था। अंदर तलाशी लेने के लिए संस्था की अलग टीम लगी हुई थी। संस्था की टीम ने अंदर छात्राओं की तलाशी ली।

नकली लोन ऐप के जरिए भारत के लोगों को ठगते थे 3 चीनी नागरिक, जारी किया गया लुकआउट नोटिस

भुवनेश्वर। आप्रवासन ब्यूरो ने भारत में अवैध डिजिटल ऋण ऐप संचालित करने के आरोप में तीन चीनी नागरिकों के खिलाफ 'लुकआउट' नोटिस जारी किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ओडिशा की आर्थिक अपराध शाखा से इस संबंध में अनुरोध मिलने के बाद यह नोटिस जारी किया गया। इस महीने की शुरुआत में ऐसे ही एक आरोप में एक अन्य चीनी नागरिक के खिलाफ भी 'लुकआउट' नोटिस जारी किया गया था। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार वे गिरोह से संबद्ध हैं और मुख्य आरोपी हैं... आरोपी व्यक्ति अवैध रूप से डिजिटल ऋण ऐप संचालित कर रहे थे। इसमें कहा गया है कि देश भर में ऐप के पीड़ितों की संख्या एक लाख से अधिक है। इसमें कहा गया है कि सबूतों के अनुसार वे लोग इंडोनेशिया, श्रीलंका, पाकिस्तान, नेपाल और बांग्लादेश जैसे देशों में इसी तरह के घोटालों में शामिल रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में आगे जांच की जा रही है।

सिंगापुर यात्रा की अनुमति देने में विलंब के पीछे राजनीतिक कारण प्रतीत होता है: केजरीवाल

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को इस बात पर जोर दिया कि ऐसा प्रतीत होता है कि सिंगापुर में एक सम्मेलन में शामिल होने के लिए उन्हें ''राजनीतिक कारणों'' के चलते अनुमति नहीं दी जा रही है। उन्होंने कहा, '' मैं कोई अपराधी नहीं हूं।'' केजरीवाल ने कहा कि सिंगापुर में 'विश्व नगर शिखर सम्मेलन' में भाग लेने के लिए उन्हें उस देश की सरकार ने आमंत्रित किया है, जहां वह विश्व नेताओं के समक्ष 'दिल्ली मॉडल' पेश करेंगे और भारत का नाम रोशन करेंगे। केंद्र के उनकी यात्रा के लिए अनुमति देने में विलंब करने से नाराज केजरीवाल ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखते हुए कहा कि वह पिछले एक महीने से अनुमति की प्रतीक्षा कर रहे हैं। केजरीवाल ने कहा, '' मैं कोई अपराधी नहीं हूं, मैं एक मुख्यमंत्री और देश का एक स्वतंत्र नागरिक हूं। मुझे सिंगापुर जाने से रोकने का कोई कानूनी आधार नहीं है, इसलिए इसके पीछे कोई राजनीतिक कारण प्रतीत होता है।'' सिंगापुर के उच्चायुक्त साइमन वोंग ने जून में केजरीवाल को इस शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया था। यह सम्मेलन अगस्त के पहले सप्ताह में होने वाला है। दिल्ली के मुख्यमंत्री को पहले दिन आयोजित होने वाले एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए बुलाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह आमतौर पर विदेश यात्राओं पर नहीं जाते, लेकिन सिंगापुर सम्मेलन में हिस्सा लेना चाहते हैं क्योंकि यह देश के विकास से जुड़ा है।

जम्मू और कश्मीर के पुंछ जिले में नदी में फंसे दो लोगों को सेना ने बचाया

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सेना ने बेतार नदी में अचानक आई बाढ़ के बाद फंस गए दो लोगों को सोमवार को बचाया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दो लोग नदी पार कर रहे थे, लेकिन अचानक बाढ़ आने से वह फंस गए। वे नदी के बीच एक बड़ी चट्टान पर किसी तरह पहुंचे। इसके बाद, स्थानीय लोगों ने सेना को घटना की जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सेना की दुर्गा बटालियन के सैनिकों ने बचाव अभियान चलाया और दोनों को बचाया।

सोमवारी पूजा के दौरान मंदिर में मची भगदड़, दो महिलाओं की हुई मौत

नई दिल्ली । सावन की पहली सोमवारी के दिन बिहार में बड़ा हादसा हुआ है। घटना सीवान की है जहां के ऐतिहासिक महेंद्रनाथ मंदिर में प्रवेश के दौरान हुई भगदड़ के दौरान भीड़ में दबने से दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। इस घटना से थोड़ी देर के लिए मंदिर कैंपस में अफरातफरी का माहौल कायम हो गया। घायल दोनों महिलाओं को सीवान सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनका इलाज चल रहा है, समय से एंबुलेंस नहीं मिलने से स्थानीय लोगों में आक्रोश देखा गया। घटना के बाद मंदिर परिसर में कुछ देर के लिए अफरातफरी का माहौल बना रहा। बताया जा रहा है कि सावन की पहली सोमवारी की वजह से भगवान शिव पर जलाभिषेक करने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी थी। श्रद्धालुओं की भीड़ जलाभिषेक के लिए मंदिर में प्रवेश कर रही थी, इसी दौरान भीड़ में तीनों महिलाएं दब गईं, जिसमें से दो महिलाओं की दम घुटने से मौत हो गई, वहीं दो महिलाएं भीड़ में दबने और गिरने से घायल हो गईं। मंदिर परिसर में सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मियों ने भीड़ को नियंत्रित करने का प्रयास कर स्थिति सामान्य किया। मृतका की पहचान हुसैनगंज के प्रतापपुर गांव निवासी लीलावती देवी के रूप में हुई है वहीं दूसरी मृत महिला सोहगमती देवी है जो जीरादेई प्रखण्ड के पठार गांव की रहने वाली बताई जा रही हैं। घायलों की पहचान हुसैनगंज के प्रतापपुर गांव निवासी दीनानाथ यादव की पत्नी अजोरिया देवी और शाहबाजपुर गांव निवासी जनक देव भगत की पत्नी शिव कुमारी देवी के रूप में हुई है।

श्रीलंका की आर्थिक दुर्दशा के बाद पाक समेत दुनिया के कई देशों की बढ़ी चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)।

श्रीलंका की आर्थिक और राजनीतिक दुर्दशा ने दुनिया के कई देशों में बेचैनी पैदा कर दी है। कभी एशिया के खुशहाल और समृद्ध देशों में गिने जाने वाले श्रीलंका की आर्थिक बदहाली के बाद आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहे कई मुल्कों की चिंताएं बढ़ गई हैं। श्रीलंका अपनी आजादी के बाद पहली बार इतने बड़े आर्थिक संकट से गुजर रहा है। दुनिया के लगभग 13 देश गंभीर आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहे हैं। आशंका व्यक्त की जा रही है कि आगे चलकर वे भी श्रीलंका जैसी आर्थिक अनिश्चितता के शिकार हो सकते हैं।

आज की स्थिति यह है कि श्रीलंका में विदेशी मुद्रा भंडार एकदम खाली हो चुका है। विदेशी कर्ज नहीं चुका पाने के कारण उसने खुद को डिफाल्टर घोषित कर दिया है। इसके चलते देश में राजनीतिक अस्थिरता की स्थिति उत्पन्न हो गई है। श्रीलंका की जनता सड़कों पर उतर आई है। विश्लेषक प्रो हर्ष वी पंत ने कहा कि जब कोई देश विदेशी कर्ज समय पर नहीं चुका पाता तो वह डिफाल्टर हो जाता है। यह स्थिति तब उत्पन्न होती है जब उसके पास विदेशी मुद्रा भंडार खत्म हो जाता है। यही श्रीलंका के साथ हुआ है। इसके पूर्व भी दुनिया के कई देश ऐसी तबाही देख चुके हैं। कई मुल्क इस कगार पर खड़े हुए हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं कि दुनिया में श्रीलंका ही केवल ऐसा मुल्क है, जहां आर्थिक मंदी के हालात उत्पन्न हुए हैं। इसके पूर्व दुनिया के कई मुल?क आर्थिक मंदी के दौर से गुजर चुके हैं। इसमें प्रमुख रूप से अर्जेंटीना, ग्रीस, रूस, उरुग्वे, डोमिनिकन रिपब्लिक और इक?वाडोर शामिल है। लातिन अमेरिकी देश अर्जेंटीना वर्ष 2000 से 2020 के बीच दो बार इस दौर से गुजर चुका है। वर्ष 2012 में ग्रीस डिफाल्टर हो चुका है। वर्ष 1998 में रूस भी डिफाल्टर घोषित हो चुका है। इसी तरह से वर्ष 2003 में उरुग्वे और 2005 में डोमिनिकन रिपब्लिक और वर्ष 2001 में इक्वेडोर डिफाल्टर घोषित हो चुके हैं। प्रो पंत ने कहा कि इस वर्ष श्रीलंका के अलावा लेबनान, रूस, सूरीनाम और जाम्बिया समय से कर्ज चुका पाने में विफल रहे हैं। बेलारूस भी जल्द ही इस कगार पर पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा दुनिया में करीब 13 मुल्कों पर इस तरह का खतरा मंडरा रहा है। इस क्रम में पाकिस्तान को लिया जा सकता है। पाकिस्तान राजनीतिक अस्थिरता के दौर से भले ही निकल गया हो लेकिन उसके आर्थिक हालत नाजुक है। उसकी अर्थव्यवस्था पूरी तरह से आइएमएफ यानी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष पर टिकी है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष पाकिस्तान को कर्ज देने के लिए तैयार हो गया है, लेकिन वैश्विक बाजार में तेल की बढ़ती कीमतों के चलते पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार पर भारी दबाव है। पाकिस्तान में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की नई सरकार पर इसका जबरदस्त दबाव है। शरीफ सरकार को अब तेजी से खर्चों में कटौती करने की जरूरत है, क्योंकि वह अपने राजस्व का 40 फीसदी सिर्फ ब्याज पर खर्च कर रही है। पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार 9।8 अरब डालर तक गिर गया है। यह पांच हफ्ते के आयात के लिए भी नाकाफी है।

प्रो पंत का कहना है कि जंग के चलते यूक्रेन की हालात जर्जर हो चुकी है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिन यूक्रेन के लिए संकट भरा हो सकता है। प्रो पंत ने कहा कि इसी तरह से अर्जेंटीना में विदेशी भंडार की गंभीर कमी है। अर्जेंटीना के पास वर्ष 2024 तक काम करने के लिए पर्याप्त कर्ज नहीं है। अफ्रीकी देश ट्यूनीशिया भी संकट के दौर से गुजर रहा है। राष्ट्रपति कैस सैयद को आइएमएफ से कर्ज लेने या कम से कम उसके साथ बने रहने में मुश्किल हो सकती है। हालांकि, इस चिंता में कई अफ्रीकी देश हैं, लेकिन ट्यूनीशिया सबसे अधिक जोखिम में है। ट्यूनीशिया में बजट घाटा 10 फीसदी तक पहुंच गया है। घाना की स्थिति भी नाजुक है। घाना पहले से ही राजस्व का आधा से अधिक कर्ज के ब्याज भुगतान पर खर्च कर रहा है। यहां महंगाई भी 30 फीसदी के करीब पहुंच गई है। यही हाल मिस्र का है। मिस्र के पास अगले पांच वर्षों में भुगतान करने के लिए सौ अरब डालर का कर्ज है।

गुरुग्राम-सोहना हाईवे का विधिवत शुभारंभ आज करेंगे केंद्रीय मंत्री गडकरी

गुरुग्राम । गुरुग्राम-सोहना हाईवे का विधिवत शुभारंभ मंगलवार शाम केंद्रीय सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी करने वाले हैं, शुभारंभ के दौरान मुख्यमंत्री मनोहर लाल, केंद्रीय सड़क, परिवहन और राजमार्ग राज्यमंत्री जनरल वीके सिंह, स्थानीय सांसद और केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह तथा उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला भी उपस्थित रहने वाले हैं। पिछले सप्ताह 11 जुलाई को इसका विधिवत शुभारंभ किया जाना था, लेकिन अचानक समारोह रद कर दिया गया था। हाईवे आम जनता के लिए पहले ही खोला जा चुका है। इससे गुरुग्राम से सोहना तक की दूरी एक से डेढ़ घंटे की बजाय केवल 20 से 25 मिनट में लोग तय कर रहे हैं। 23 किलोमीटर लंबे हाईवे का निर्माण लगभग दो हजार करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। निर्माण बेहतर तरीके से और तेजी से हो, इस ध्यान में रखकर दो पैकेज में किया गया। पहला पैकेज राजीव चौक से लेकर बादशाहपुर तक है, जबकि दूसरा पैकेज बादशाहपुर के आगे से लेकर सोहना तक है। पहले पैकेज में सुभाष चौक के आगे से लेकर बादशाहपुर से आगे तक पांच किलोमीटर लंबा एलिवेटेड रोड बनाया गया है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के परियोजना निदेशक पीके कौशिक का कहना है कि समारोह की तैयारी पूरी हो चुकी है। शाम पांच बजे से समारोह शुरू हो जाएगा। केंद्रीय मंत्री गडकरी पूरे हाईवे को देखने के लिए रोड शो कर सकते हैं। यह देखकर तैयारी की जा रही है। रोड शो करने का एक उद्देश्य दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के निर्माण कार्य के बारे में जानकारी हासिल करना भी है। गांव अलीपुर के नजदीक गुरुग्राम-सोहना हाईवे से दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे को जोड़ा जाएगा। एक्सप्रेस का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। जल्द ही अलीपुर से दौसा तक का भाग चालू किया जाएगा।

अखिलेश पर तंज कसते हुए शिवपाल ने कहा, नेताजी का अपमान करने वाले का नहीं कर सकते समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राष्ट्रपति चुनाव को लेकर आज मतदान संपन्न हो गया है। राष्ट्रपति चुनाव के मद्देनजर पिछले कई दिनों से देश की राजनीतिक सरगर्मियां काफी गर्म थी। उत्तर प्रदेश की राजनीति भी राष्ट्रपति चुनाव के मद्देनजर कई बार मैंने एक करवट लेती दिखाई दे रही थी। आज एक बार फिर से प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष शिवपाल यादव ने अपने भतीजे अखिलेश यादव पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा है। इशारों इशारों में उन्होंने साफ तौर पर कह दिया है कि अखिलेश ने मेरा और मुलायम सिंह यादव तक का अपमान किया है। उन्होंने यह भी कह दिया है कि मुलायम सिंह यादव को राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद से हटाकर अखिलेश ने उनका अपमान किया है और एक कट्टर सपाई नेता जी का अपमान कभी बर्दाश्त नहीं कर सकते। इसके साथ ही यशवंत सिन्हा का समर्थन करने को लेकर भी शिवपाल यादव ने अखिलेश यादव पर जबरदस्त तरीके से हमला किया।

आज भी शिवपाल यादव ने साफ तौर पर कह दिया है कि जो नेता जी का अपमान करता है, उसका समर्थन हम कभी नहीं कर सकते। अपने बयान में शिवपाल यादव ने कहा कि नेताजी (मुलायम यादव) को ढ्ढस्ढ्ढ एजेंट कहने वाले (विपक्ष के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा) हम उनका कभी समर्थन नहीं कर सकते। सपा के कट्टर नेता, नेताजी के सिद्धांतों का पालन करने वाले ऐसे आरोप लगाने वाले उम्मीदवार का कभी समर्थन नहीं करेंगे। वहीं दूसरी ओर अखिलेश ने कहा कि मैं यशवंत सिन्हा के पक्ष में वोट करूंगा। देश में कोई ऐसा होना चाहिए जो सरकार को समय-समय पर अर्थव्यवस्था की स्थिति बता सके। श्रीलंका का हाल देखिए। इसलिए राष्ट्रपति ऐसा होना चाहिए जो समय-समय पर यह कह सके।

इससे पहले भी शिवपाल ने अखिलेश यादव को इस मुद्दे पर घेरने की कोशिश की थी। उन्होंने इसके लिए एक पत्र भी लिखा था और कहा था कि यह नियति की अजीब विडंबना है कि समाजवादी पार्टी ने राष्ट्रपति चुनाव में उस व्यक्ति का समर्थन किया है जिसने हम सभी के अभिभावक और प्रेरणा ऊर्जा के स्रोत आदरणीय नेता जी को उनके रक्षा मंत्री के काल में पाकिस्तानी गुप्तचर संस्था आईएसआई का एजेंट बताया था। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि समाजवादी पार्टी को राष्ट्रपति प्रत्याशी के तौर पर एक अदद समाजवादी विरासत वाला नाम न मिला। इसके साथ उन्होंने कहा कि आप कहते हुए मुझे दुख और क्षोभ हो रहा है कि जो समाजवादी कभी नेताजी के अपमान पर आग बबूला हो जाते थे, आज उसी विरासत के लोग नेताजी को अपमानित करने वाले व्यक्ति का राष्ट्रपति चुनाव में समर्थन कर रहे हैं।

ज्ञानवापी परिसर में मिले शिवलिंग की पूजा की मिली अनुमति, सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

उच्चतम न्यायालय वाराणसी में अदालत के आदेश पर हुए सर्वेक्षण में मिले 'शिवलिंग' की पूजा करने की अनुमति मांगने संबंधी एक नयी याचिका पर सुनवाई के लिए सोमवार को सहमत हो गया और इस मामले को 21 जुलाई को सूचीबद्ध करने के लिए कहा। याचिका में ''शिवलिंग'' की आयु का पता लगाने के लिए कार्बन डेटिंग करानेका भी अनुरोध किया गया है। प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण,न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन की ओर से पेश प्रतिवेदनों पर गौर किया और कहा कि याचिका को 21 जुलाई को सुनवाई के लिए 'अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद समिति' की लंबित याचिका के साथ सूचीबद्ध किया जाए।

यह समिति ज्ञानवापी मस्जिद से जुड़े मामले देखती है। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली एक अन्य पीठ मस्जिद समिति की याचिका पर सुनवाई कर रही है। इस याचिका में ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी परिसर के सर्वेक्षण को चुनौती दी गई है। कहा जाता है कि 'शिवलिंग' इसी परिसर में मिला है। अधिवक्ता जैन ने कहा, '' यह याचिका परिसर में मिले 'शिवलिंग' के 'दर्शन और पूजा' की अनुमति के लिए है साथ ही एएसआई को शिवलिंग की कार्बन डेटिंग कराने के निर्देश देने के लिए है।'' उन्होंने कहा, '' मस्जिद समिति की ओर से आयोग के सर्वेक्षण को चुनौती देने वाली याचिका पर 21 जुलाई को सुनवाई होनी है। कृपया इसे भी साथ में सूचीबद्ध कर लीजिए।

रांची में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, अमित मालवीय के खिलाफ कांग्रेस ने एफआईआर दर्ज कराई

रांची (एजेंसी)।

झारखंड प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कोतवाली थाना रांची में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, बीजेपी आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय और प्रीति गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। प्रसाद ने कहा की तीनों ने सोची समझी साजिश के तहत अपने सोशल नेटवर्किंग हैंडल पर कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. अजय कुमार के बयान को गलत तरीके से पेश किया। प्रसाद ने कहा कि ऐसा डॉ अजय कुमार और कांग्रेस पार्टी की छवि को धूमिल करने के लिए किया गया।

गौरतलब है कि बीजेपी नेताओं ने अजय कुमार का एक वीडियो शेयर कर उन पर सवाल उठाए थे, जिसमें वह राष्ट्रपति चुनाव में एनडीए उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू पर टिप्पणी कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने बयान को आदिवासी नेता का अपमान बताया था।

कांग्रेस नेता ने कहा कि राष्ट्रपति जैसे गरिमामयी पद के चुनाव से ठीक पहले सोची समझी रणनीति के तहत कांग्रेस पार्टी को बदनाम करने की नियत और डॉक्टर कुमार की छवि धूमिल करने की कोशिश की है। ऐसा कर भाजपा ने आदिवासी समाज का अपमान किया ही साथ ही साथ द्रौपदी मुर्मू का भी अपमान किया है। डॉ. कुमार ने अपने बयान के शुरुआत मे ही राष्ट्रपति पद के दोनों उम्मीदवार की प्रशंसा की थी। लेकिन उसे एडिट कर साजिशन यह कृत्य किया गया है जो आईपीसी की धारा 153-अ 415, 469, 499, 500, 505(2) के तहत गैर कानूनी है।

महंगाई को लेकर मोदी सरकार पर वरुण गांधी का तंज, जब 'राहत' देने का वक्त था, तब हम 'आहत' कर रहे हैं

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

देश में महंगाई को लेकर लगातार विपक्ष केंद्र सरकार पर हमलावर है। इन सबके बीच भाजपा के अपने सांसद वरुण गांधी भी महंगाई के मुद्दे पर अपनी ही पार्टी की सरकार को लगातार घेरते रहे हैं। वरुण गांधी ने आज दूध और दही सहित कई खाद्य वस्तुओं को जीएसटी के दायरे में लाए जाने को लेकर मोदी सरकार की आलोचना कर दी। वरुण गांधी ने साफ तौर पर कहा है कि जब 'राहत' देने का वक्त था, तब हम 'आहत' कर रहे हैं। अपने ट्वीट में वरुण गांधी ने लिखा कि आज से दूध, दही, मक्खन, चावल, दाल, ब्रेड जैसे पैक्ड उत्पादों पर जीएसटी लागू है। रिकार्ड तोड़ बेरोजगारी के बीच लिया गया यह फैसला मध्यम वर्गीय परिवारों और विशेषकर किराए के मकानों में रहने वाले संघर्षरत युवाओं की जेबें और हल्की कर देगा। उन्होंने कहा कि जब 'राहत' देने का वक्त था, तब हम 'आहत' कर रहे हैं।

आपको बता दें कि जीएसटी परिषद के फैसले लागू होने के बाद सोमवार से कई खाद्य वस्तुएं महंगी हो गई हैं। इनमें पहले से पैक और लेबल वाले खाद्य पदार्थ जैसे आटा, पनीर और दही शामिल हैं। इन पर पांच प्रतिशत जीएसटी देना होगा। इसी तरह 5,000 रुपये से अधिक किराये वाले अस्पताल के कमरों पर भी जीएसटी देना होगा। इसके अलावा 1,000 रुपये प्रतिदिन से कम किराये वाले होटल के कमरों पर 12 प्रतिशत की दर से कर लगाने की बात कही गयी है। इससे पहले भी वरुण गांधी बेरोजगारी, अर्थव्यवस्था और किसानों के मुद्दे पर पिछले कुछ समय से केंद्र सरकार के खिलाफ विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर मुखरता से आवाज उठा रहे हैं।

रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि के बाद से भी पीलीभीत से बीजेपी सांसद वरुण गांधी ने अपनी सरकार को घेरने की कोशिश की थी। तब वरुण गांधी ने कहा था कि अब लाल सिलेंडर सजावट की वस्तु बना हुआ है। अपने ट्वीट में भाजपा सांसद ने लिखा था कि चूल्हे पर लकड़ियाँ जल रही हैं और लाल सिलेंडर सजावट की वस्तु बना हुआ है, गैस की पासबुक के पन्नों में महीनों से कोई एंट्री नहीं चढ़ी है। उन्होंने ने एक विडियो भी साझा किया और दावा किया कि ये उन लाखों महिलाओं का दर्द है जिन्हें हमने 'धुएँ से आज़ादी' का सपना दिखाया था। यह वही महिलाएँ हैं जिन्होंने हम पर सबसे अधिक भरोसा जताया था।

उत्तर प्रदेश सरकार का बड़ा फैसला, अब सिर्फ ऐसे शिक्षक ही मदरसों में दे सकेंगे तालीम

लखनऊ (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश सरकार ने मदरसों में शिक्षा को लेकर बड़ा फैसला लिया है। उत्तर प्रदेश सरकार के फैसले के मुताबिक अब मदरसों में दीनी तालीम को कम किया जाएगा। मदरसों में हिंदी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान जैसे विषयों की पढ़ाई होगी। इतना ही नहीं, उत्तर प्रदेश सरकार के फैसले के मुताबिक अब सिर्फ टीईटी पास शिक्षक ही मदरसों में बच्चों को तालीम दे पाएंगे। सरकार का यह फैसला मदरसा मॉर्डनाइजेशन स्कीम के तहत आया है। इसी स्कीम के तहत से टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट पास हुए शिक्षकों की बहाली होगी। मदरसों में शिक्षकों की भर्ती की नियमावली में भी संशोधन किया जा सकता है। नई व्यवस्था के मुताबिक अब मदरसों में मुख्यधारा की शिक्षा 80त्न तक दी जाएगी जबकि दिन इस शिक्षा को सिर्फ 20त्न ही देना होगा।

मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि आलिया स्तर के मदरसों में एक शिक्षक रहेगा। इसके अलावा कक्षा 5 तक के मदरसों में 4 शिक्षक रहेंगे। कक्षा 6 से 8 तक में दो और कक्षा 9 और 10 स्तर के मदरसों में 3 शिक्षक मॉडर्न एजुकेशन पढ़ाने के लिए रखे जाएंगे। माना जा रहा है कि उत्तर प्रदेश सरकार मदरसों में शिक्षा की व्यवस्था में बड़ा सुधार लाने की कोशिश कर रही है। बीते सप्ताह मदरसा शिक्षा में सुधार के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से यूपी मदरसा ई लर्निंग मोबाइल एप भी लॉन्च किया गया था। इसके अलावा मदरसा शिक्षक को भी डिजिटल शिक्षा से जोड़ने की कोशिश की जा रही है और जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है।

मदरसा शिक्षा के लिए अधिकतम उम्र तय नहीं करने जा रही योगी सरकार: अंसारी

वहीं, उत्तर प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने मदरसों में दाखिले के लिए विद्यार्थी की अधिकतम आयु सीमा तय करने पर विचार किए जाने की अटकलों को सिरे से खारिज करते हुए कहा था कि सरकार मदरसों में दाखिले की उम्र तय करने के सिलसिले में एक समिति का गठन करेगी। अंसारी ने कहा था कि मदरसों की विभिन्न कक्षाओं में दाखिले के लिए विद्यार्थी की आयु निर्धारित करने को लेकर एक समिति बनाई जाएगी जिसकी रिपोर्ट के आधार पर आयु निर्धारण संबंधी निर्णय लिया जाएगा और मदरसों में दाखिले के लिए अधिकतम उम्र तय करने का कोई विचार नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सीबीएसई और आईसीएसई समेत विभिन्न शिक्षा परिषदों की तर्ज पर उत्तर प्रदेश के मदरसों में भी दाखिले के लिए न्यूनतम आयु सीमा तय करेगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पार-तापी रिवरलिंक प्रोजेक्ट के विरोध में वलसाड जिला पंचायत की भाजपा सदस्य का इस्तीफा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

वलसाड,वलसाड जिला पंचायत की भाजपा सदस्य निर्मला जादव ने इस्तीफा दे दिया है। वलसाड जिला पंचायत की मोटी कोरवड सीट से भाजपा सदस्य और जिला पंचायत शिक्षा समिति की प्रमुख निर्मला जादव की इस्तीफे से जिले की राजनीति गरमा गई है। जिला पंचायत में सुबह से हाईवाल्टेज ड्रामा चल रहा था कि निर्मला जादव जिला पंचायत की सदस्यता से इस्तीफा देनेवाली हैं। निर्मला जादव को इस्तीफा देने से रोकने के लिए सुबह से भाजपा कार्यकर्ता जिला पंचायत पर मौजूद थे। लेकिन निर्मला जादव ने प्रत्यक्ष इस्तीफा देने के बजाए सोशल मीडिया के जरिए अपना इस्तीफा दे दिया। बताया जाता है कि पार-तापी रिवरलिंक प्रोजेक्ट के विरोध में निर्मला जादव ने जिला पंचायत की सदस्यता से इस्तीफा दिया है। अगर यह सही है तो निर्मला जादव का फैसला गलत हो सकता है। क्योंकि सरकार पहले ही पार-तापी रिवरलिंक प्रोजेक्ट रद्द करने का ऐलान कर चुकी है।

कैफे की आड में चल रहे हुक्काबार का पर्दाफाश, चार शख्सों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद,शहर के एसपी रिंग रोड पर सेक्रेड-9 कैफे की आड में चल रहे हुक्काबार पर डीजी विजिलन्स की टीम ने युवक-युवती समेत 68 लोगों को दबोच लिया। डीजी विजिलन्स ने कैफे संचालक समेत 4 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर चारों को गिरफ्तार कर लिया। जो युवा पीढी को नशे की आग में झोंक रहे थे। जानकारी के मुताबिक डीजी विजिलन्स को सूचना मिली थी कि अहमदाबाद के एसपी रिंग रोड स्थित सेक्रेड-9 नामक कैफे बार में हुक्काबार चल रहा है। सूचना के आधार पर डीजी विजिलन्स ने कैफे पर रेड कर 60 युवक और 8 युवतियों को हुक्का पीते पकड़ लिया। कैफे से अलग अलग फ्लेवर के हुक्का बरामद हुए। पुलिस ने घटनास्थल से 13 हर्बल फ्लेवर और 29 जितने हुक्का जब्त कर लिए। पुलिस ने हुक्काबार संचालक केवल पटेल, आशीष पटेल, ध्रुव ठाकर और करण पटेल को गिरफ्तार कर लिया। हुक्काबार के मुख्य संचालक केवल पटेल और आशीष पटेल हैं। केवल पटेल ने कैफे हुक्काबार के लिए किराए पर दिया था और पिछले 3-4 महीनों से यहां हुक्काबार चल रहा था। केवल पटेल के सेक्रेड-9 नामक कंस्ट्रक्शन का एक प्रोजेक्ट चल रहा है।

डीजी विजिलन्स की टीम ने हुक्काबार से बरामद साधन-सामग्री समेत आरोपियों को सरखेज पुलिस के हवाले कर दिया है। साथ ही हर्बल फ्लेवर में हुक्का में नशीला पदार्थ या नहीं इसकी जांच के लिए 42 हुक्का से सैम्पल लेकर जांच के लिए एफएसएल भेज दिया है।

बारडोली के सांसद प्रभुभाई वसावा को प्रधानमंत्री के सपनों के शौचालय घोटाले पर ज्ञापन

सूरत जिले के कछौली ग्राम पंचायत में गरीबों के लिए बने शौचालयों के मामले में निष्पक्ष जांच की मांग

हलपति समाजके सात जरूरतमंद जागरूक निवासियोंने एक आवेदन पत्र में कागज पर अपनी शिकायतें लिखीं

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत जिले की कछौली ग्राम पंचायत में गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए शौचालय बनवाने के नाम पर तत्कालीन ग्राम सरपंच नजीर गुलाम शेख व उनकी टीम एवं तलाटी के कार्यकाल में बड़ा घोटाला हुआ है।

अफवाहें यह भी फैल रही हैं कि मौजूदा भाजपा सरकार के कछौली सरपंच गरीबों को शौचालय जैसी सुविधाएं मुहैया कराने में कमजोर साबित हो रहे हैं।

हालांकि, हर छोटे-बड़े गांव को खुलेमें शौच मुक्त करवाना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हमेशा से सपना रहा है और सरकार ने समय-समय पर इस संबंध में लाखों-करोड़ों का अनुदान भी दिया है। सच तो यह है कि इस अनुदान से कंइ शौचालय नहीं बनाए गए, ऐसे में कछौली का सरपंच विवादों में आ गया है कि अनुदान की राशि कहां गई ऐसे कंइ प्रश्न खडे हो चूके है।

कछौली गांव के सात निवासियों ने सचिन के सामाजिक कार्यकर्ता राजेंद्रसिंह शेखावत के माध्यम से बारडोली के सांसद प्रभुभाई वसावा के साथ बैठक की और कछौली गांव में शौचालय घोटाले के बारे में बताया। कछौली में बने शौचालयों को लेकर गांव के जागरूक नागरिक ताल्हा सिदात को शक हुआ और आरटीआई के जरिए सबूत जुटाने में जुट गया। एक के बाद एक पुख्ता सबूत जुटाए गए जिससे साबित हुआ कि कछौली ग्राम पंचायत की सीमा के भीतर जरूरतमंदों के लिए बनाए गए शौचालयों के मामले में बड़ा घोटाला हुआ है।

शौचालय निर्माण के लिए सरकार से अनुदान भी लिया गया है और कई लोगों का निर्माण आज तक नहीं हुआ है, जिससे गांव के गरीब लोगों पर दुख के पहाड़ गिरे हैं,

यह स्थानीय जागरूक नागरिकों द्वारा माना जा रहा है। गुजरात प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सीआर पाटिल को भी कछौली गांव में शौचालय घोटाले के बारे में लिखित में ज्ञापन दिया गया है। गांव के जागरूक नागरिकोंने भी प्रदेश अध्यक्ष को सामाजिक कार्यकर्ता राजेंद्रसिंह शेखावत के माध्यम से इस मुद्दे पर तत्काल कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

गौरतलब है कि इस गंभीर मामले में सिस्टम द्वारा कितने त्वरित कदम उठाए जाएंगे और इस घोटाले में कौन किसके खिलाफ कार्रवाई करेगा? हालांकि, ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि अधिकारियों की एक टीम शौचालय के मुद्दे की जांच करने आई थी, लेकिन जांच के नाम पर सिर्फ दिखावा करते हूए आए ओर चले गए ऐसा कुछ प्रतित हुआ था।

मैंने कछैली गांव के तथ्यों को बारडोली एमपी के सामने प्रस्तुत किया है

वर्ष 2017 में खुले में शौच मुक्तगांव का एक विशाल बोर्ड लगाया गया है और वर्ष 2022 में भी 70 प्रतिशत गरीब परिवार खुले में शौच करने को मजबूर हैं। इसके अलावा ग्राम पंचायत अधिकारियों द्वारा कई घोटाले किए गए हैं। मैंने प्रभु वसावा साहब से मामले की गहन जांच करने का अनुरोध किया है और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की भी मांग की है।

राजेन्द्रसिंह शेखावत, समाज सेवक सचिन क्षेत्र

गुजरात- दाहोद में मालगाड़ी के 12 डिब्बे बेपटरी,कोई हताहत नहीं

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

दाहोद, गुजरात के दाहोद जिले में सावन के पहले सोमवार को एक मालगाड़ी के 16 डिब्बे बेपटरी हो गए, जिसके बाद 29 ट्रेन का मार्ग बदला गया और एक को रद्द कर दिया गया। पश्चिम रेलवे के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंगल महुडी और लिमखेड़ा रेलवे स्टेशनों के बीच देर रात हुई इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। ट्रेन मध्य प्रदेश के रतलाम से गुजरात के वडोदरा की ओर जा रही थी। पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के प्रवक्ता खेमराज मीणा ने कहा, 'मंगल महुडी और लिमखेड़ा अप लाइन के बीच रात करीब 12 बजकर 48 मिनट पर मालगाड़ी के 16 डिब्बे अप और डाउन दोनों लाइनों पर पटरी से उतर गए।' उन्होंने कहा, 'मालगाड़ी के पटरी से उतरने से अप और डाउन लाइन बाधित हुई। रतलाम से एक दुर्घटना राहत दल सुबह करीब साढ़े पांच बजे घटनास्थल पर पहुंचा और ट्रैक को साफ करने के लिए युद्धस्तर पर काम चल रहा है। इस मार्ग की ट्रेनों को दूसरे मार्ग सेभेजा जा रहा है।'

रेलवे सूत्रों के अनुसार मंगल महुडी के पास मालगाड़ी के कुछ डिब्बों के बीच चिंगारी निकलते देखी गई थी और उसके स्टेशन मास्टर ने पाया कि ट्रेन का कुछ पिछला हिस्सा गायब है। उन्होंने बताया कि घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

दाहोद के निकट ट्रेन हादसा, मालगाडी के 16 डिब्बे पलटे, कोई जानहानि नहीं

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

दिल्ली-मुंबई रेल मार्ग पर देर रात बड़ा रेल हादसा हुआ है, जिसमें मालगाडी के 16 डिब्बी पलट गई। राहत की बात है कि इस हादसे में कोई जानहानि नहीं हुई है। रेल दुर्घटना के चलते 27 ट्रेनों को डायवर्ट किया है और 5 जितनी ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक वडोदरा से रतलाम की ओर जा रही मालगाडी के 16 डिब्बे दाहोद जिले के मंगल महुडी रेलवे स्टेशन के निकट देर रात पलटी खा गए। कई डिब्बे एक-दूसरे पर चढ़ गए। रेल हादसे से 25 हजार किलो वोट की बिजली लाइन भी टूट गई। राहत की बात यह है कि इस हादसे में कोई जानहानि नहीं हुई। रेल दुर्घटना की खबर मिलते ही रेल प्रशासन में हडकम्प मच गया। घटना के बाद डीआरएम, स्टेशन मास्टर समेत वरिष्ठ अधिकारियों का काफिला मौके पर पहुंच गया और युद्धस्तर पर दिल्ली-मुंबई के बीच बंद रेल यातायात को बहाल करने के प्रयास शुरू कर दिए। दुर्घटना के कारणों का फिलहाल पता नहीं चला।